जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 150 दिनांक:14-05-2022 शनिवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सोनिया गांधी ने कहा कि यह जहां पार्टी के लिए आत्म चिंतन का मौका है वहीं भाजपा आरएसएस और उसके सहयोगियों की नीतियों के परिणामस्वरूप देश के सामने आई चुनौतियों पर चिंतन भी अपरिहार्य है।

दिल्ली के मुंडका क्षेत्र में मेट्रो के पिलर संख्या 544 के पास आग लग गई है। आग लगने के कारण जेनरेटर की आग बताई जा रही। लोगों ने सूचना अग्निशमन विभाग को दी जिसके बाद राहत बचाव शुरू हुआ। हादसे में 27 मौत हो गई है।

'कांग्रेस ने हमें सब कुछ दिया, अब कर्ज चुकाने का समय': सोनिया गांधी

उदयपुर (ईएमएस)। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शुक्रवार को चिंतिन शिविर को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा प्रहार कर आरोप लगाया कि उनके 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' (मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस) का मतलब लगातार ध्रुवीकरण करना और डर का माहौल बनाना है। उन्होंने कांग्रेस के 'नवसंकल्प चिंतिन शिविर' की शुरुआत के मौके पर पार्टी में बड़े सुधार की बात कर नेताओं का आह्वान किया कि वे 'विशाल सामूहिक प्रयासों के जरिये पार्टी में नई जान फूंकें क्योंकि अब पार्टी का कर्ज उतारने का समय आ गया है। उनके संबोधन के बाद कांग्रेस के चिंतन शिविर की शुरुआत हुई।

सोनिया गांधी ने कहा, चिंतिन शिविर हमें यह अवसर देता है कि हम देश के सामने खड़ी उन चुनौतियों पर चर्चा करें जो भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) द्वारा पैदा की गई हैं। उन्होंने कहा कि शिविर में राष्ट्रीय मुद्दों और संगठन पर 'बोल्ड चिंतन' होगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधकर कहा, यह स्पष्ट हो गया है कि प्रधानमंत्री और उनके साथियों की ओर से 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' की जो बात की जाती है, उसका क्या मतलब है? इसका मतलब निरंतर ध्रुवीकरण करना और डर का माहौल बनाना है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' का मतलब अल्पसंख्यकों को डराना है जबकि अल्पसंख्यक देश के बराबर के नागरिक हैं। इस सरकार के 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' का मतलब राजनीतिक विरोधियों को डराना धमकाना, उन्हें बदनाम करना और सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर उन्हें जेल में डालना है। सोनिया के अनुसार, भाजपा सरकार के 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' का मतलब यह है कि इतिहास पर फिर से गौर किया जाए, स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को कमतर किया जाए तथा महात्मा गांधी के हत्यारों का महिमामंडन किया जाए।

उन्होंने कहा, हमारे महान संगठन की ओर से समय समय पर लचीलेपन की उम्मीद की जाती रही है। फिर हमसे उम्मीद की जा रही है कि हम अपना समर्थन और साहस की भावना का परिचय दें। सोनिया गांधी ने कहा, हमारे संगठन के समक्ष परिस्थितियां अभूतपूर्व हैं।असाधारण परिस्थितियों का मुकाबला असाधारण तरीके से किया जाता ध्रष्ठ हमें सुधार की सख्त जरूरत है। रणनीति में बदलाव की जरूरत है. रोजाना काम करने के तरीके में परिवर्तन की जरूरत है। उन्होंने कहा, मैं यह भी जोर देकर कहना चाहती हूं कि विशाल सामूहिक प्रयासों से ही हमारा पुनरुत्थान होगा है। सोनिया गांधी ने कांग्रेस नेताओं का आह्वान किया, पार्टी ने हमें बहुत कुछ दिया है, अब समय है कर्ज उतारने का। हम अपने विचार खुलकर रखें। लेकिन सिर्फ संगठन की मजबूती, दृढ़निश्चय और एकता का संदेश बाहर जाना चाहिए। वहीं गहलोत ने कहा, भाजपा के लिए लोकतंत्र कोई मायने नहीं रखता। इसतरह के फासीवादी लोग धर्म का नाम लेकर सत्ता पर काबिज हो गए। उन्होंने सांप्रदायिक झडपों की हालिया घटनाओं का हवाला देकर प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधकर कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में शांति की अपील करने का नैतिक साहस नहीं जुटा पा रहे हैं। उनके पास नैतिक साहस नहीं है। गहलोत ने कहा, हम काम करते हैं, मार्केटिंग नहीं करते, लेकिन ये फासीवादी लोग काम कुछ नहीं करते, सिर्फ प्रचार करते हैं।

मौजूदा वक्त में देश अलग हालातों में

राजस्थान के उदयपुर में शुक्रवार से कांग्रेस का 'चिंतन शिविर शुरू हो गया है। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपने उद्धघाटन भाषण में कहा कि यह हमारे आने वाले कई कार्यों पर विचार-विमर्श करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि यह 'चिंतन' राष्ट्रीय मुद्दों के बारे में है और साथ ही पार्टी का 'आत्मचिंतन' भी है। सोनिया गांधी ने कहा, मौजूदा वक्त में देश अलग हालातों में है। गांधी के हत्यारों का महिमामंडन किया जा रहा है। मुस्लिमों पर हमले किए जा रहे हैं, इसकारण से संवैधानिक संस्थाओं के सामने बड़ा खतरा पैदा हो गया है।

सोनिया ने कहा, संगठन में ढांचागत बदलावों जरुरी है। अभूतपूर्व परिस्थितियों का सामना अभूतपूर्व कदम उठाकर करना होता है। हम यह ही करने जा रहे हैं। संगठन की मजबूती, दृढ़ निश्चय और एकता का संदेश बैठक के बाद बाहर जाना चाहिए। उन्होंने कहा, मिली नाकामयाबियों से हम बेखबर नहीं है, न ही हम बेखबर हैं, कठिनाइयों के संघर्ष से, जिसका हमें सामना करना है। हम देश की राजनीति में पार्टी को फिर उस भूमिका में ले जाएंगे, जो पार्टी ने हमेशा निभाई है। इन बिगड़ते हालात में देश की जनता हमसे उम्मीद करती है। हम यहां ईमानदारी से आत्मनिरीक्षण कर रहे हैं, लेकिन हम यह तय करें कि यहां से बाहर निकले तब एक नए आत्म विश्वास, नई ऊर्जा और प्रतिबद्धता से प्रेरित होकर निकले।

इससे पहले कांग्रेस के चिंतन शिविर के मेजबान के तौर पर राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि जिन राज्यों में चुनाव आने वाले होते हैं, वहीं दंगे होते हैं। उन्होंने कहा कि हम काम बहुत करते हैं, लेकिन कभी मार्केटिंग नहीं करते। गहलोत ने कहा कि ये लोग गुजरात मॉडल जैसी बातें करते हैं, लेकिन काम नहीं करते।

पीएम मोदी बोले- बदल चुकी है स्टार्टअप की दुनिया, आज भारत में सबसे बड़ा स्टार्टअप्स इकोसिस्टम

इंदौर । भारत में कुछ नया करने की ललक रही है। युवाओं को नई चुनौतियां स्वीकार करने की आदत है। देश ने आइटी क्रांति का समय देखा, लेकिन उस दौर में युवाओं को मार्गदर्शन नहीं मिला। नेपोटिज्म (भाई-भतीजावाद) ने एक पूरी पीढ़ी को तबाह कर दिया। भारत ने बीते आठ वर्षो में स्टार्टअप के क्षेत्र में नए कीर्तिमान रच दिए हैं। आज हम जो करेंगे, उससे नए भारत का भविष्य तय होगा। ये बातें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य प्रदेश की स्टार्टअप नीति का वर्चुअली शुभारंभ करने के बाद शुक्रवार को कहीं।

उन्होंने कहा कि 2014 के पहले भारत में केवल 300-400 स्टार्टअप हुआ करते थे। स्टार्टअप शब्द ही सुनाई नहीं देता था, लेकिन आठ साल में इनकी दुनिया ही बदल गई है। आज भारत में 70 हजार से अधिक स्टार्टअप हैं। भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। यह हमारे युवाओं का सामर्थ्य है। स्टार्टअप देश के तकरीबन हर राज्य और 650 जिलों में फैल गए हैं। सबसे अधिक स्टार्टअप टियर टू और थ्री शहरों में हैं। हमने देश के युवाओं को चुनौती दी, उन्होंने इसे स्वीकार किया।

पीएम मोदी ने कहा कि हमने स्टार्टअप के लिए सरल नीति बनाई, आज उन्हें निजी क्षेत्र से हजारों करोड़ रुपये का निवेश मिल रहा है। जेम पोर्टल में 13 हजार स्टार्टअप पंजीकृत हैं। इनका व्यापार 6500 करोड़ रुपये का है। पीएम मोदी ने आह्वान किया कि युवाओं को मोबाइल, टेक्नोलाजी के अलावा गेमिंग, खिलौने और पर्यटन के क्षेत्र में भी काम करना होगा। उन्होंने कहा कि जब दिल में जोश हो, नई उमंग हो, नवाचार का जज्बा हो तो अलग प्रभाव दिखता है।

शाप किराना के संस्थापक तनुतेजस सारस्वत से प्रधानमंत्री ने उनके स्टार्टअप के बारे में जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने पूछा कि हमने स्ट्रीट वेंडरों के लिए इस तरह की योजना बनाई थी, आप उनके लिए क्या प्रयोग कर सकते हैं? उनकी आय कैसे बढ़ा सकते हैं? तनुतेजस ने कहा कि हम इसके लिए काम करेंगे। बता दें, शाप किराना कंपनियों से माल लेकर सीधे दुकानों को सप्लाई करता है। छह राज्यों के 30 शहरों की एक लाख खुदरा दुकानों और पांच करोड़ उपभोक्ताओं तक इसकी पहुंच है।

इंदौर से ही शुरू हुए स्टार्टअप ग्रामोफोन के संस्थापक तौसिफ खान से भी प्रधानमंत्री ने चर्चा की और कृषि के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचार को जाना। पीएम मोदी ने तौसीफ से कहा कि आप यहां पर रसायन मुक्त कृषि को लेकर काम कीजिए। तौसिफ ने कहा कि वे सरकार के साथ मिलकर इस दिशा में काम करेंगे। बता दें, ग्रामोफोन किसानों को सलाह देकर उन्हें अनावश्यक रसायनों के उपयोग से बचाता है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मध्य प्रदेश में स्टार्टअप को गति देने के लिए मध्य प्रदेश स्टार्टअप सेंटर की स्थापना की जाएगी। इससे अनुभवी विशेषज्ञों को जोड़ा जाएगा। साथ ही स्टार्टअप को आर्थिक सहायता देने के लिए वेंचर कैपिटल फंड की स्थापना भी करेंगे। यह फाइनेंस कंपनियों के माध्यम से काम करेगा।

दिल्ली में मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास तीन मंजिला बिल्डिंग में आग, 28 लोगों की जलकर मौत

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली में मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास एक तीन मंजिला बिल्डिंग में आग लगने से 28 लोगों की जलकर मौत हो गई, 10 लोग गंभीर घायल हैं. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर खिड़कियां तोड़कर बिल्डिंग के अंदर फंसे लोगों को बचाया। घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है. देर रात मौके पर 27 फायर ब्रिगेड वाहन मौजूद थे । क्रेन की मदद से लोगों को निकालने की कोशिश की जा रही थी।

रात 10 बजे तक 26 शव निकाल लिए गए थे। इमारत में सामान काफी था। इस कारण आग बुझाने में काफी परेशानी आई । 30-40 लोग अभी भी इमारत के अंदर होने की जानकारी थी । बिल्डिंग में कई कंपनियों के ऑफिस थे। यहां से करीब 150 लोगों को रेस्क्यू किया गया । बिल्डिंग में फंसे हुए 9 घायलों को संजय गांधी मेमोरियल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया । राहत और बचाव कार्य के लिए मौके पर 100 लोगों को तैनात किया गया ।

इमारत की खिड़कियों से निकलते धुंए के बीच लोगों को व्ँ मशीन और क्रेन के सहारे नीचे उतारा गया, वहीं कुछ लोग रस्सी की मदद से भी नीचे आए। कुछ लोग खुद ही बिल्डिंग से कूद गए,जिससे वो घायल हो गए। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। इसके साथ ही घायलों को तुरंत इलाज मुहैया कराने के लिए स्पॉट पर एंबुलेंस की व्यवस्था भी की गई ।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि मेट्रो स्टेशन के पिलर 544 के पास बनी यह इमारत एक 3 मंजिला कमर्शियल बिल्डिंग है, जिसे ऑफिस स्पेस के तौर पर कंपनियों को किराए पर दिया जाता है। पुलिस ने बताया कि आग बिल्डिंग के पहले फ्लोर से शुरू हुई, जहां पर ण्ण्ऊ कैमरा और राउटर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी है। पुलिस ने कंपनी के मालिक को हिरासत में ले लिया है।

नीट-पीजी 2022 परीक्षा टालने से सुप्रीम कोर्ट का साफ इंकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को नीट-पीजी 2022 परीक्षा टालने से इनकार कर दिया है। इसके बाद यह परीक्षा निर्धारित तारीख 21 मई, 2022 को ही होगी। सुप्रीम कोर्ट ने परीक्षा टालने के लिए दायर याचिका खारिज कर कहा कि ऐसा करने से अराजकता और अनिश्चितता की स्थिति पैदा होगी। मामले की सुनवाई कर रही खंडपीठ ने केंद्र की दलील से सहमति जताई कि पहले से ही अस्पतालों में रेजिडेंट डॉक्टरों की कमी है, क्योंकि इस साल पीजी डॉक्टरों के 2 बैच थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि परीक्षा टालने से मरीजों की देखभाल प्रभावित होगी और यह फैसला उन 2.06 लाख डॉक्टरों के करियर को भी प्रभावित करेगा, जिन्होंने इस साल नीट-पीजी 2022 के लिए पंजीकरण कराया है। यह सरकार की पॉलिसी का मामला है।

बता दें कि तैयारी के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलने का हवाला देकर छात्र केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से नीट-पीजी 2022 परीक्षा को 8 सप्ताह तक के लिए स्थगित करने की मांग कर रहे थे। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने भी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया से 21 मई को होने वाली नीट-पीजी 2022 परीक्षा को स्थगित करने का अनुरोध किया था। आईएमए ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा था कि परीक्षा की तैयारी के लिए छात्रों को बेहद कम समय मिला है। इसकारण उम्मीदवारों के हितों को देखते हुए परीक्षा स्थगित की जानी चाहिए। नीट पीजी परीक्षा 2022 के उम्मीदवारों के समर्थन में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी ट्वीट कर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया से एग्जाम स्थगित करने का अनुरोध किया था। प्रियंका गांधी वाड्रा ने लिखा, मंडाविया जी नीट-पीजी 2021 की काउसिलिंग में हुई देरी के चलते नीट-पीजी 2022 के अभ्यर्थी परीक्षा को कुछ हफ्तों के लिए टालने की एकदम जायज मांग आपके सामने रख रहे हैं। कृपया परीक्षा को कुछ हफ्तों के लिए टालने का कदम उठाकर इन युवाओं को मानसिक तनाव से राहत दीजिए।

यूएनएचआरसी में भारत बोला- रूस-यूक्रेन युद्ध तत्काल खत्म हो, मदद के लिए हम तत्पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। यूक्रेन-रूस जंग को लेकर भारत गंभीर रूप से चिंतित है मानवाधिकार परिषद की विशेष बैठक में कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच जारी संघर्ष पर उसकी स्थिति पूरी तरह से स्थिर और सुसंगत रही है। भारत ने कहा कि वह यूक्रेन पर घटने वाले हर घटनाक्रम पर गहराई से चिंतित है। भारत ने विशेष सत्र के दौरान कहा कि भारत ने हमेशा ही हिंसा को तत्काल रूप से खत्म कर देने और आपसी शत्रुता को मिटाने की बात कही है। भारत ने मानवाधिकार की विशेष सत्र में कहा कि हमने यूक्रेनी लोगों के मनावधिकार के सम्मान और उनके संरक्षण का अह्वान किया है और साथ ही मनावधिकारों के वैश्विक प्रचारों और उनके संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

गौरतलब है कि रूस ने 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन के खिलाफ सैन्य अभियान छेड़ दिया था। दोनों देशों के बीच शुरू हुए युद्ध को ढाई महीने से ज्यादा का समय बीत गया है लेकिन अब भी हालात सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। संकटग्रस्त देश से करीब 50 लाख लोग पलायन कर चुके हैं जबकि हजारों नागिरकों की मौत हो गई है। यूक्रेन ने बूचा, कीव, ओब्लास्ट जैसे शहरों में सामूहिक कब्रों की खोज की और इसका आरोपी रूस को ठहराया। इस खुलासे के बाद रूस को संयुक्त राष्ट्र मनावधिकार परिषद से बाहर कर दिया गया। हालांकि रूस के खिलाफ हुई इस वोटिंग में भारत ने हिस्सा नहीं लिया था।

गुरुवार को मानवाधिकार परिषद की विशेष बैठक के दौरान भारत के प्रतिनिधि ने कहा कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस, यूक्रेन समेत अन्य वैश्विक नेताओं के साथ बातचीत की और भारत की प्रतिबद्धता की बात को दोहराया है। उन्होंने कि यूक्रेन में उत्तपन्न हुई इस स्थित का स्पष्ट रूस से महिलाओं और बच्चों पर असमान रूस से प्रभाव पड़ा है। इनकी एक बड़ी संख्या है जो अपने देश से पड़ो के देश में स्थानांतरित हुई है।

भारत ने मानवाधिकार परिषद को बताया कि भारत यूक्रेन और उसके पड़ोसियों को दवाएं। उसके पड़ोसियों को मानवीय आपूर्ति, दवाएं और अन्य आवश्यक राहत सामग्री भेज रहा है। इस स्थिति का प्रभाव इस क्षेत्र से परे महसूस किया जा रहा है; तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं, खाद्यान्न और उर्वरकों की कमी है।

एयरलाइनों की ओर से बोर्डिंग पास के लिए अतिरिक्त शुल्क लेने की जाँच कराएँगे सिंधिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एयरलाइनों की ओर से बोर्डिंग पास के लिए अतिरिक्त शुल्क लेने संबंधी शिकायतों की जांच कराएँगे। कुछ लोगों ने स्पाइस जेट के बारे में शिकायत करते हुए केंद्रीय मंत्री को टैग किया था, जिस पर सिंधिया ने जवाब दिया- ठआपसे सहमत हूं। इसकी जल्द से जल्द जांच करेंगे।ठ

हिंदी बोलने वाले कोयम्बटूर में पानी-पुरी बेचते हैं

- हिंदी भाषी छोटी-मोटी दोयम दर्जे की नौकरी करते हैं,
- तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री का विवादास्पद बयान

कोयम्बटूर, (ईएमएस)। तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. के पोनमुडी ने एक विवादास्पद बयान देते हुए कहा कि हिंदी बोलने वाले यहां पानी-पुरी (गोलगप्पे) बेचते हैं। कोयंबटूर स्थित भरतियार यूनिवर्सिटी के कनवोकेशन में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए श्री पोनमुडी ने कहा, भाषा के तौर पर हिंदी से ज्यादा अंग्रेजी महत्वपूर्ण है। उन्होंने दावा किया कि हिंदी बोलने वाले लोग दोयम दर्जे की नौकरी करते हैं और यहां कोयंबटूर में पानी-पुरी बेचते हैं। उन्होंने यह बात राज्यपाल आर एन रवी भी मौजूदगी में कही।

हिंदी को अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ाए जाने के मुद्दे पर बोलते हुए तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री श्री पोनमुडी ने कहा, वो कहते हैं इससे रोजगार के अवसर मिलेंगे, तो फिर वो कौन हैं जो बाहर गोल गप्पे बेच रहे हैं। यहाँ हिंदी बोलने वाले पानी-पुरी बेचते हैं।

श्री पोनमुडी ने कहा, की तमिल छात्र भाषाएं सीखना चाहते हैं, हिंदी उनके लिए वैकल्पिक विषय होना चाहिए न कि अनिवार्य। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के अच्छी बातों को राज्य में लागू किया जाएगा और राज्य सरकार दो भाषा प्रणाली लागू करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। भरतियार यूनिवर्सिटी के कनवोकेशन के मंच पर तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवी भी मौजूद थे। डॉ. के पोनमुडी ने प्रश्न उठाया कि अगर एक अंतरराष्ट्रीय भाषा अंग्रेजी सिखाई जा रही है तो कोई हिंदी क्यों सीखना चाहेगा? उन्होंने दावा किया कि भारत में तमिलनाडु शिक्षा प्रणाली में सबसे आगे है। तमिल छात्र कोई भी भाषा सीखने को तैयार हैं, हालांकि, हिंदी एक वैकल्पिक विषय होना चाहिए, अनिवार्य नहीं।

व्यंग्यात्मक लहजे में उन्होंने कहा की हिंदी से कहीं ज्यादा मूल्यवान भाषा अंग्रेजी है और हिंदी भाषी लोग छोटी-मोटी दोयम दर्जे की नौकरी करते हैं। श्री पोनमुडी ने कहा की ठवे कहते हैं, अगर आप हिंदी पढ़ेंगे तो आपको नौकरी मिलेगी? क्या सच में ऐसा है! कोयंबटूर में ही देखें, आजकल पानी-पूरी कौन बेच रहा है? आज अंग्रेजी अंतरराष्ट्रीय भाषा है।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला, विदेश जाने वाले तीन महीने बाद ले सकते हैं सतर्कता डोज

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि नौकरी, शिक्षा और कारोबार के मकसद से विदेश की यात्रा करने वाले लोग कोरोना रोधी वैक्सीन की दूसरी डोज लेने के तीन महीने बाद ही सतर्कता डोज ले सकते हैं। एक दिन पहले ही सरकार ने ऐसे लोगों के लिए सतर्कता डोज के लिए निर्धारित नौ महीने की प्रतीक्षा अवधि में ढील देने का एलान किया था। राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को भेजे पत्र में केंद्र सरकार ने कहा है कि इसके लिए कोविन पोर्टल पर आवश्यक प्रविधान कर दिया गया है। लोगों को वीजा जैसे दस्तावेज भी अपलोड करने की जरूरत नहीं होगी।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने अतिरिक्त सचिव मनोहर अग्नानी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय यात्रा करने वालों के लिए सतर्कता डोज की प्रतीक्षा अवधि कम करने की कई क्षेत्रों से मांग की जा रही थी। इसमें शिक्षा, रोजगार, खेल, कारोबार इत्यादि क्षेत्र शामिल हैं। अग्नानी ने कहा कि राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से इस बदलाव के बारे में ज्यादा से ज्यादा प्रचार करने का आग्रह किया गया है, ताकि लोगों को इसके बारे में जानकारी मिल सके। साथ ही इस बदलाव को लागू करने के लिए आवश्यक उपाय भी करने को कहा गया है।

वहीं, दूसरी ओर देश में कोरोना संक्रमण के दैनिक मामले तीन हजार से नीचे बने हुए हैं। सक्रिय मामलों में भी लगातार गिरावट जारी है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार सुबह आठ बजे अपडेट किए गए आंक्ड़ों के मुताबिक बीते 24 घंटे में 2,841 नए केस मिले और नौ लोगों की मौत हुई है। सक्रिय मामलों में 463 की गिरावट आई है और इनकी संख्या 18,604 पर आ गई है।

मरीजों के उबरने की दर 98.74 प्रतिशत और मृत्युदर 1.22 प्रतिशत बनी हुई है। दैनिक संक्रमण दर 0.58 प्रतिशत और साप्ताहिक संक्रमण दर 0.69 प्रतिशत है। कोविन पोर्टल के आंकडों के अनुसार कोरोना रोधी वैक्सीन की अब तक 191 करोड़ से ज्यादा डोज लगाई जा चुकी हैं, जिनमें 100 करोड़ से अधिक पहली डोज शामिल है।

कश्मीरी पंडित राहुल भट्ट की हत्या की जांच एसआईटी से कराने का फैसला

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने बडगाम में कश्मीरी पंडित राहुल भट्ट की हत्या की जांच एसआईटी से कराने का फैसला किया है। प्रशासन ने यह भी कहा है कि राहुल भट्ट की पत्नी को सरकारी नौकरी दी जाएगी। जम्मू-कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा ने ट्वीट कर कहा, इस घृणित आतंकी हमले की जांच के लिए स्पेशल इनवेस्टिगेशन टीम बनाई गई है। इसमें स्थानीय पुलिस स्टेशन के एसएचओ को भी अटैच किया गया है। राहुल भट की विधवा को नौकरी देने की घोषणा के साथ उन्होंने कहा कि उनके बच्चों की शिक्षा का खर्च भी प्रशासन उठाएगा। उनके परिवार को वित्तीय सहायता भी दी जाएगी।

भट की हत्या पर कश्मीरी पंडितों के आक्रोश सामने आया था, जो प्रवासियों के लिए प्रधानमंत्री रोजगार पैकेज के तहत घाटी में काम कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने राहुल भट्ट की हत्या को लेकर विरोध जताते हुए श्रीनगर हवाई अड्डे की ओर बढ़ रहे कश्मीरी पंडितों को तितर-बितर करने के लिए शुक्रवार को लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। प्रदर्शनकारी पहले मध्य कश्मीर में बडगाम जिले के शेखपोरा इलाके में एकत्र हुए और इसके बाद उन्होंने हवाई अड्डे की ओर बढ़ना शुरू कर दिया, लेकिन पुलिस कर्मियों ने उन्हें रोक दिया। प्रदर्शनकारियों से वहां से जाने का अनुरोध किया गया, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया और आगे बढ़ने की जिद्द की, जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े।

आतंकवादियों ने चडूरा शहर में तहसील कार्यालय के भीतर घुस कर राहुल भट को गोली मारी थी। भट को प्रवासियों के लिए विशेष नियोजन पैकेज के तहत 2010-11 में क्लर्क के तौर पर सरकारी नौकरी मिली थी। पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने आरोप लगाया कि उन्हें उनके घर में नजरबंद रखा गया, ताकि वह प्रदर्शनकारी कश्मीरी पंडितों के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए बडगाम नहीं जा पाएं।

मुफ्ती ने कहा, अपनी रक्षा करने में भारत सरकार की नाकामी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे कश्मीरी पंडितों के प्रति एकजुटता जताने के लिए बडगाम जाना चाहती थी। मुझे घर में नजरबंद कर दिया गया। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह शर्मनाक है कि वैध और उचित विरोध के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई।

अग्नि-5 मिसाइल की जद में आया पूरा चीन और पाकिस्तान

नई दिल्ली (ईएमएस)। अग्नि-5 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल को डीआरडीओ और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड ने संयुक्त रूप से मिलकर बनाया है। मिसाइल की रेंज 5000 किलोमीटर से ज्यादा है। मुद्दा ये नहीं है,कि इसकी रेंज कितनी है, चीन और कई देशों को यह डर है कि इस मिसाइल की जद में उनका पूरा का पूरा क्षेत्रफल आ रहा है। अग्नि-5 मिसाइल का वजन 50 हजार किलोग्राम है। यह 17.5 मीटर लंबी है। इसका व्यास 2 मीटर यानी 6.7 फीट है। इसके ऊपर 1500 किलोग्राम वजन का परमाणु हथियार लगा सकते हैं। इस मिसाइल में तीन स्टेज के रॉकेट बूस्टर हैं, जो सॉलिड फ्यूल से उड़ते हैं। इसकी गति साउंड की स्पीड से 24 गुना ज्यादा है। यानी एक सेकेंड में 8.16 किलोमीटर की दूरी तय करती है। अग्नि-5 मिसाइल 29,401 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से दुश्मन पर हमला करती है। इसमें रिंग लेजर गाइरोस्कोप इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम, जीपीएस, नेवलेक सैटेलाइट गाइडेंस सिस्टम लगा हुआ है। अग्नि-5 मिसाइल टारगेट पर सटीकता से हमला करता है। अगर टारगेट अपनी जगह से हटकर 10 से 80 मीटर तक भी जाता है, तब उसका बचना मुश्किल है।

अग्नि-5 मिसाइल को लांच करने के लिए मोबाइल लॉन्चर का उपयोग करते हैं। इस ट्रक पर लोड करके किसी भी स्थान पर पहुंचाया जा सकता है। इस मिसाइल के बारे में वैज्ञानिक एम. नटराजन ने 2007 में पहली बार योजना बनाई थी। भारत अगर मिसाइल को दागता है, तब वह पूरे एशिया, यूरोप का कुछ हिस्सा, यूक्रेन, रूस, जापान, इंडोनेशिया तक हमला कर सकता है। इस मिसाइल की सबसे खास बात है, इसकी एमआईआरवी तकनीक (मल्टिपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल्स)। इस तकनीक में मिसाइल के ऊपर लगाए जाने वॉरहेड की संख्या बढ़ाई जा सकती है।यानी एक मिसाइल एक साथ कई टारगेट पर निशाना लगा सकता है।

अग्नि-5 मिसाइल की तैनाती स्ट्रैटेजिक फोर्सेस कमांड में की गई है। इस कमांड के तहत ही भारत की सभी मिसाइलों का संचालन किया जाता है। इसमें पृथ्वी, अग्नि और सूर्य जैसी मिसाइलें शामिल हैं। सूर्य मिसाइल अभी बनी नहीं है। इसकी रेज 12 से 16 हजार किलोमीटर होगी। उससे पहले अग्नि-6 बनाई जाएगी जो 8 से 12 हजार किलोमीटर रेंज की होगी। इसी कमांड में समुद्र में मौजूद सैन्य मिसाइलें भी शामिल हैं, जैसे- धनुष, सागरिका आदि है।

अग्नि-5 मिसाइल का पहला सफल परीक्षण 19 अप्रैल 2012 को हुआ था। उसके बाद 15 सितंबर 2013, 31 जनवरी 2015, 26 दिसंबर 2016, 18 जनवरी 2018, 3 जून 2018 और 10 दिसंबर 2018 को सफल परीक्षण हुए। अग्नि-5 मिसाइल के सात सफल परीक्षण हो चुके हैं। इन परीक्षणों में मिसाइल को विभिन्न मानकों पर जांचा गया। जिसमें पता चला कि यह मिसाइल दुश्मन को बर्बाद करने के लिए बेहतरीन हथियार है। 50 हजार किलोग्राम वजन वाली अग्नि-5 मिसाइल को 200 ग्राम का कंट्रोल एंड गाइडेंस सिस्टम नियंत्रित करता है। यह इस मिसाइल पर ही लगा होता है।इस सिस्टम ऑन चिप आधारित ऑन-बोर्ड कंप्यूटर कहते हैं। एमआईआरवी तकनीक यानी मिसाइल की नाक पर दो से 10 हथियार लगाए जा सकते है। यानी एक ही मिसाइल एक साथ कई सौ किलोमीटर में फैले अलग-अलग 2 से 10 टारगेट पर सटीक निशाना लगा सकता है।

अब श्रीकृष्ण जन्मभूमि से सटे मथुरा ईदगाह के सर्वे के लिए याचिका दाखिल

मथुरा (ईएमएस)। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटी ईदगाह मस्जिद का कमिश्नर के जरिए सर्वे कराने की मांग को लेकर वादी मनीष यादव की याचिका मथुरा कोर्ट में याचिका दाखिल की है। वादी मनीष यादव, महेंद्र प्रताप सिंह और दिनेश शर्मा ने अलग-अलग एक ही तरह की याचिका लगाई थी, जिसमें कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करके ईदगाह मस्जिद की वीडियोग्राफी कराए जाने की मांग की गई है। कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई के लिए सभी वादियों को एक जुलाई की तारीख दी है। अब एक जुलाई को कोर्ट तय करेगा कि याचिका स्वीकार होगी या अस्वीकार।

याचिकाकर्ता महेंद्र सिंह का कहना है कि उन्होंने सबसे पहले श्री कृष्ण जन्मस्थान और ईदगाह मस्जिद मामले में 24 फरवरी 2021 को एक प्रार्थना पत्र दिया था, जिसमें वीडियोग्राफी कराने की और कमिश्नर की नियुक्ति की मांग की थी। इसके बाद एक बार फिर 9 मई 2022 को एक प्रार्थना पत्र दिया गया था। विदित हो कि मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद के मामलों को जल्द निपटाने की याचिका पर बृहस्पतिवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने मथुरा की अदालत को निर्देश दिया है कि अधिकतम चार महीने में सभी अर्जियों का निपटारा किया जाए। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि अगर सुन्नी वक्फ बोर्ड व अन्य पक्षकारों के सुनवाई में शामिल ना होने पर एकपक्षीय आदेश जारी कर दिया जाए। यह याचिका नारायणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष यादव की तरफ से दाखिल की गई थी। इसमें याचिकाकर्ता ने मथुरा में चल रहे मुकदमे की सुनवाई हर रोज और जल्द निपटारा कराए जाने की अपील की थी। याचिका में मांग की गई थी कि मथुरा की अदालत में इस केस से जुड़े जो भी मामले पेंडिंग हैं, उनका निस्तारण जल्द से जल्द किया जाए। अगर विपक्षी पार्टी सुनवाई के दौरान हाजिर न हों तो उनके खिलाफ कार्रवाई कर एकतरफा आदेश दिया जाए।

कार्टून कोना

जन हितैषी

राष्ट्रद्रोह कानून बीती बात

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रद्रोह कानून की धारा 124 ए पर रोक लगा दी है। शीर्ष कोर्ट ने इसके तहत दायर सभी लंबित मामलों पर भी रोक लगा दी गई है। कोर्ट ने कानून पर केंद्र सरकार को पुनर्विचार का निर्देश दिया है। साफ कहा है कि इस धारा के तहत अब कोई नया केस दर्ज नहीं होगा और इसके तहत जेल में बंद लोग कोर्ट से जमानत मांग सकेंगे। शीर्ष कोर्ट ने केंद्र व राज्यों को भादवि की धारा 124 ए के पुनरीक्षण की इजाजत देते हुए कहा कि जब यह काम पूरा न हो, कोई नया केस इस धारा में दर्ज नहीं किया जाए। इससे पहले राष्ट्रद्रोह कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर बुधवार को भी सुनवाई हुई। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केंद्र का पक्ष रखा। अपनी दलीलें पेश करते हुए उन्होंने कहा कि एक संज्ञेय अपराध को दर्ज करने से रोकना सही नहीं होगा। हर केस की गंभीरता अलग होती है। किसी मामले का आतंकी कनेक्शन तो किसी का मनी लॉन्ड्रिंग कनेक्शन हो सकता है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कहा था कि वह देशद्रोह के लंबित मामलों को लेकर 24 घंटे में अपना मत स्पष्ट करे। कोर्ट ने पहले से दर्ज ऐसे मामलों में नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए औपनिवेशिक युग के इस कानून के तहत नए मामले दर्ज नहीं करने पर भी अपना रुख स्पष्ट करने को कहा था। वर्ष 2014 से 2019 के बीच देश में इस विवादित कानून के तहत कुल 326 मामले दर्ज किए गए थे। इनमें से केवल छह लोगों को दोषी ठहराया गया। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार कुल 326 मामलों में से सबसे ज्यादा 54 मामले असम में दर्ज किए गए थे। हालांकि, 2014 से 2019 के बीच एक भी मामले में दोष सिद्ध नहीं हुआ था। लंबे समय से कहा जा रहा है और सुप्रीम कोर्ट भी अपनी टिप्पणियों में जता चुका है कि औपनिवेशिक काल के इस कानून को अब जारी रखने का कोई तुक नहीं है। बावजूद इसके, किसी न किसी कारण से यह मामला टलता रहा है। जहां जिस पार्टी की सरकार है, वही विरोधियों का मुंह बंद करने के लिए इसका दुरुपयोग कर रही है। असल में यह कानून है भी ऐसा कि इसे इस मकसद से इस्तेमाल करने में कोई अड़चन नहीं आती। आईपीसी की धारा 124-ए उन शब्दों और कार्यों के लिए तीन साल से लेकर आजीवन कैद तक की सजा का प्रावधान करती है जो सरकार के खिलाफ नफरत, अवमानना और विद्रोह भड़काने का प्रयास करते हों। एक तो नफरत, अवमानना और विद्रोह जैसे शब्द काफी व्यापक अर्थ रखते हैं। सो, किसी भी तरह के भाषण को इसके अंतर्गत डाला जा सकता है। अगर अंग्रेजी शासन का संदर्भ याद रखते हुए देखें तो तत्कालीन सरकार के लिए यह कानून बड़े काम की चीज था। अपने लेखों और भाषणों में अंग्रेज सरकार की तीखी आलोचना के अलावा स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ कोई और मामला बनाना मुश्किल था। सो, अंग्रेजी सरकार इसी कानून के सहारे आजादी के योद्धाओं को लंबी अवधि के लिए जेल भेज दिया करती थी। मगर आज हमारा राजनीतिक और सामाजिक परिवेश पूरी तरह से बदल चुका है। देश अपनी आजादी की 75वीं सालगिरह मनाने जा रहा है। ऐसे में, इस कानून का भला क्या औचित्य है? यह सवाल विभिन्न प्रकार की जनहित याचिकाओं में सर्वोच्च अदालत के सामने उठाए गए हैं। इसकी वजह थी पिछले कई वर्षों से इस कानून का हो रहा दुरुपयोग। न सिर्फ राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने और उनको परेशान करने के लिए, बल्कि आलोचना के स्वर को शांत करने के लिए भी इसका जमकर इस्तेमाल हो रहा है। आलम यह है कि अगर कोई व्यक्ति हनुमान चालीसा का पाठ करने जा रहा हो, तो उसके ऊपर भी देशद्रोह कानून लगा दिया जाता है, जिसका न कोई औचित्य है और न धारा 124 (ए) का कोई प्रावधान उस पर लागू होता है। सुप्रीम कोर्ट इस कानून के दुरुपयोग को लेकर ही चिंतित था। 2021 में भी उसने एक सुनवाई के दौरान सरकार से इसको निरस्त करने को कहा था। उसके तर्क थे कि इनमें जिन प्रावधानों का जिक्र है, वे औपनिवेशिक युग के हैं, जो स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ इस्तेमाल होते थे। अब स्वतंत्र, लोकतांत्रिक देश में सरकार की आलोचना पर सजा देना वास्तव में कानून का दुरुपयोग ही है। अंतिम सुनवाई की बात करते हुए भी कोर्ट ने यही कहा कि उसे सबसे ज्यादा चिंता इस कानून के दुरुपयोग की है। इसीलिए यह भी जरूरी है कि अब इस चरण में आकर कानून का दुरुपयोग रोकने संबंधी प्रावधान करने जैसी दलीलों के चक्कर में न पड़ा जाए। वक्त का तकाजा है कि और देर किए बगैर राजद्रोह (देशद्रोह) कानून को तत्काल समाप्त कर दिया जाए। वैसे जब इस कानून की समीक्षा की बात होती है, तो तीन तरह की सोच सामने दिखती है। पहली, इस तरह के कानूनी प्रावधान खत्म कर देने चाहिए, क्योंकि इनकी अब कोई प्रासंगिकता नहीं बची। दूसरी, इस कानून को बनाए रखना चाहिए, क्योंकि देश को इसकी सख्त जरूरत है, खासकर राष्ट्रविरोधी ताकतों को देखते हुए। और तीसरी सोच उन लोगों की है, जो मानते हैं कि यह कानून तो कायम रहना चाहिए, लेकिन इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए इसके इस्तेमाल पर कुछ वाजिब अंकुश लगाया जाना चाहिए। इस सोच के समर्थक मानते हैं कि अगर कानूनी किताब से इसे पूरी तरह से हटा दिया जाएगा, तो देश की संप्रभुता, सुरक्षा और अखंडता को नुकसान पहुंच सकता है।

दैनिक पंचांग

14 मई 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.27 बजे से
चंद्र	तुला में	मिथुन	07.25 बजे से
मंगल	कुंभ में	कर्क	09.38 बजे से
बुध	वृष में	सिंह	11.54 बजे से
गुरु	मीन में	कन्या	14.06 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.17 बजे से
शनि	कुंभ में	वृश्चिक	18.32 ब.से
राहु	मेष में	धनु	20.48 बजे से
केतु	तुला में	मकर	22.53 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		कुंभ	00.39 बजे से
		मीन	02.12 बजे से
		मेष	03.43 बजे से

शनिवार 2022 वर्ष का 134 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2079 **शक संवत्** 1944 **मास** वैशाख **पक्ष** शुक्ल **तिथि** त्रयोदशी 15.23 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** चित्रा 17.28 बजे को समाप्त। **योग** सिद्धि(असृक) 12.58 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 15.23 बजे तदनन्तर गर 02.08 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 13.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 18° 34' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871248 **जूलियन दिन** 2459713.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** सव्वाल **तारीख** 12 **विशेष** नरसिंह जयंती, छिन्नमस्ता जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7285

बाएँ से दाएँ

1.निशा,रात (उर्दू-2)
4.ताला (अंग्रेजी-2)
6.दुलारा,लाडला-2
7.बढ़ावा,समर्थन-2
9.निवास,घर,नीड़-3
12.कमी-3
14.पनाह,आश्रय-3
16.अंगूठे से तीसरी अंगुली, सावित्री-4
17.सज्जनता,सभ्यता-4
18.गिरवी रखी वस्तु-3
20.एक राशि-3
22.दबाव (अंग्रेजी-3)
24.कुल,मुनाफा-2
26.उम्मीद,आशा-2
27.मादा का विलोम-2
28.आगमन-2

ऊपर से नीचे

1.मदिरा,मय-3
2.ऐश्वर्या व अक्षय खन्ना की फिल्म-2
3.सम्मान,प्रसिद्धि-2
5.डोली उठाने वाले-3
6.वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम के कप्तान-2
8.अधिकार-2
10.सेनापति,कप्तान-2,3
11.पति की मां-2
13.आत्मबलिदानी -5
14.कद काठी-3
15.रसद,किराणा-3
19.प्रत्येक-2
20.मैला,अस्वच्छ-3
21.मिट्टी,धूल-2
22.छापाखाना-2
23.जिव्हा,जीभ-3
25.सम्मान-2
26.फलों का राजा-2

शब्द पहेली -7284 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

विज्ञान और धर्म अलग नहीं, बल्कि एक ही सिक्के के दो पहलू हैं!

विज्ञान व धर्म मिलकर समाज की बेहतर सेवा कर सकते हैं। विज्ञान और धर्म अलग नहीं, बल्कि एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। यह धारणा गलत है कि विज्ञान व धर्म साथ-साथ नहीं चल सकते हैं। विज्ञान प्रत्यक्षवाद और धर्म परोक्षवाद पर विश्वास करता है। प्रत्यक्ष व परोक्ष मिलकर एक होते हैं। दुर्भाग्य यह है कि वैज्ञानिकों को धर्म व धर्म से जुड़े लोगों को विज्ञान की जानकारी नहीं है। ऐसे में दोनों को मिलाने की जरूरत है। विज्ञान जड़ पदार्थों से जुड़ा है और धर्म चेतन जगत से संबंध रखता है। पहले धर्म का उद्देश्य मानव समाज को जोड़ना था लेकिन आज इसे समाज को तोड़ने का हथियार बना दिया गया है। विज्ञान और धर्म दोनों ही मनुष्य के जीवन को समान रूप से प्रभावित करते हैं। एक और जहाँ विज्ञान तथ्यों व प्रयोगों पर आधारित है वहीं दूसरी और धर्म आस्था और विश्वास पर। दोनों ही मनुष्य की अपार शक्ति का स्त्रोत हैं।

मनुष्य कभी उड़ते हुए पक्षियों की उड़ान को देखकर परिकल्पना किया करता था कि क्या वह भी इन पक्षियों की भाँति उड़ान भर सकता है। उसकी यह परिकल्पना ही अनेक प्रयोगों का आधार थी। आज अंतरिक्ष की ऊँचाई को नापते हुए वायुयान उन्हीं परिकल्पनाओं का प्रतिफल हैं। इस प्रकार विज्ञान स्वयं में अनंत शक्तियों का भंडार है। विज्ञान के अंतर्गत वह अपनी कल्पनाओं को अपने प्रयोगों के माध्यम से साकार रूप देता है। वह प्रकृति में छिपे गूढ़तम रहस्यों को ढूँढ़ निकालता है। एक रहस्य के उजागर होने पर वह दूसरे रहस्य को खोलने व उसे जानने हेतु प्रयत्नशील हो जाता है।

धर्म भी विज्ञान की ही भाँति अनंत शक्तियों का स्त्रोत है परंतु धर्म प्रयोगों व तथ्यों पर नहीं अपितु अनुभवों, विश्वासों व आस्थाओं पर आधारित है। मनुष्य की धार्मिक आस्था उसे आत्मबल प्रदान करती है। मनुष्य की समस्त धार्मिक मान्यताएँ किसी अज्ञात शक्ति पर केंद्रित रहती हैं। इस शक्ति का आधार मनुष्य की आस्था व विश्वास होता है। धर्म मनुष्य के चारित्रिक विकास में सहायक होता है। धर्म के मार्ग पर चलकर वह उन समस्त जीवन मूल्यों को आत्मसात् करता है जो उसके चारित्रिक विकास में सहायक होते हैं। सद्गुणों को अपनाना अथवा सन्मार्ग पर चलना ही धर्म है। वे सभी सत्य जो मानवता के विरूद्ध हैं वे अधर्म हैं। दूसरों का हित करने से बड़ा कोई धर्म नहीं है तथा दूसरों का अहित करने से बड़ा कोई अधर्म नहीं है।

इस प्रकार हम देखते हैं कि अनेक रूपों में विज्ञान धर्म का ही एक रूप है। धर्म और विज्ञान दोनों के परस्पर समान गुणों के कारण ही एक-दूसरे का पूरक माना गया है। विज्ञान और धर्म दोनों ही मनुष्य की असीमित शक्ति का स्त्रोत हैं। विज्ञान जहाँ मनुष्य को भौतिक गुण प्रदान करता है वहीं धर्म उसे आत्मिक सुख की ओर ले जाता है। दोनों के परस्पर समन्वय से ही मनुष्य पूर्ण आत्मिक सुख, सफलता तथा समृद्धि की प्राप्ति कर सकता है।

धर्मरहित विज्ञान मनुष्य को सुख तो प्रदान कर सकता है परंतु यह उसे कभी-कभी विनाश के कगार पर भी ला खड़ा करता है। विज्ञान के वरदान से जहाँ मनुष्य चंद्रमा पर अपनी विजय पताका फहरा चुका है वहीं दूसरी ओर उसने परमाणु बम जैसे हथियार विकसित कर लिए हैं जिसने उसे विनाश के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। धर्म और विज्ञान का समन्वय ही मानवमात्र में संतुलन स्थापित कर सकता है, उसे पतन की ओर जाने से रोक सकता है। यह समन्वय आज की प्रमुख आवश्यकता है।

धर्म प्रायः मनुष्य की आस्था व विश्वास पर आधारित है परंतु यह भी सत्य है कि कभी-कभी हमारी आस्थाएँ निराधार होती हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार लोग चंद्रमा को ईश्वर का रूप मानते थे परंतु विज्ञान ने सिद्ध कर दिया है कि यह मिथ्या है। चंद्रमा, पृथ्वी की भांति ही है। यह एक उपग्रह है। इस प्रकार हमारी

धार्मिक मान्यताएँ समय-समय पर विज्ञान के द्वारा खंडित होती रही हैं।

विज्ञान के प्रयोगों व नित नए अनुसंधानों ने प्रकृति के अनेक गूढ़ रहस्यों को उजागर किया है परंतु अभी भी ऐसे अनगिनत रहस्य हैं जो विज्ञान की परिधि से बाहर हैं। विज्ञान भी इस बात की पुष्टि करता है कि एक ऐसी परम शक्ति अवश्य है जो समस्त शक्तियों का केंद्र है। अतः जब मनुष्य के लिए सारे रास्ते बंद हो जाते हैं तब वह उन परम शक्तियों का स्मरण करता है।

अतः यह सत्य है कि विज्ञान और धर्म का परस्पर समन्वय ही उसे प्रगति के उत्कर्ष तक ले जा सकता है। जब विज्ञान का सहारा लेकर मनुष्य कुमार्ग पर चल पड़ता है तब धर्म का संबल प्राप्त करना अनिवार्य हो जाता है। धर्म इस स्थिति में मनुष्य का तारणहार बन जाता है। दूसरी ओर जब धर्म की छत्रछाया में अधार्मिक व्यक्तियों का समूह आम लोगों को ठगने का प्रयास करते हैं तब विज्ञान का आलोक उन्हें सीधे रास्ते पर लाने की चेष्टा करता है।

बच्चों की शिक्षा के द्वारा हम बालक का वैज्ञानिक, मानवीय तथा विश्वव्यापी दृष्टिकोण विकसित कर रहे हैं। बच्चों को बाल्यावस्था से ही घर में माता-पिता तथा स्कूल में टीचर्स द्वारा बताना चाहिए कि ईश्वर एक है, उसका धर्म एक है तथा सारी मानव जाति एक है। मानव जाति के पास मानव सभ्यता का जो इतिहास

उपलब्ध है उसके अनुसार परमपिता परमात्मा की ओर से युग-युग में भेजे गये महान अवतारों राम (7500 वर्ष पूर्व), कृष्ण (5000 वर्ष पूर्व), बुद्ध (2500 वर्ष पूर्व), ईसा मसीह (2000 वर्ष पूर्व), मोहम्मद साहब (1400 वर्ष पूर्व), गुरू नानक देव (500 वर्ष पूर्व) तथा बहाउल्लाह (200 वर्ष पूर्व) धरती पर अवतरित हुए हैं।

स्कूलों के माध्यम से संसार के प्रत्येक बालक को राम की मर्यादा, कृष्ण की न्याय, बुद्ध की सम्यक ज्ञान, ईशु की करूणा, मोहम्मद साहेब की भाईचारा, गुरू नानक की त्याग और बहाउल्लाह की हृदय की एकता की शिक्षाओं का ज्ञान कराया जाना चाहिए। एक ही परमपिता परमात्मा की ओर से युग-युग में अपने संदेशवाहकों के द्वारा भेजे गये पवित्र ग्रन्थों- गीता, त्रिपटक, बाईबिल, कुरान शरीफ, गुरू ग्रन्थ साहिब, किताबे अकदस में संकलित परमात्मा की एक जैसी मूल शिक्षाओं का ज्ञान प्रत्येक बालक को स्कूल के माध्यम से कराया जाना चाहिए तथा परमात्मा की शिक्षाओं को जानकर उसके अनुसार अपना जीवन जीना चाहिए।

आज आधुनिक विद्यालयों के द्वारा बच्चों को एकांकी शिक्षा अर्थात केवल भौतिक शिक्षा ही दी जा रही है, जबकि मनुष्य की तीन वास्तविकतायें होती हैं। पहला- मनुष्य एक भौतिक प्राणी है, दूसरा- मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है तथा तीसरा मनुष्य- एक आध्यात्मिक प्राणी है। इस प्रकार मनुष्य के जीवन में भौतिकता, सामाजिकता तथा आध्यात्मिकता का संतुलन जरूरी है। सीएमएस में प्रत्येक बालक की तीनों वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए भौतिक, सामाजिक तथा आध्यात्मिक तीनों प्रकार की संतुलित शिक्षा देने के लिए 2000 से अधिक टीचर्स तथा 1000 से अधिक सहयोगी कार्यकर्ता पूरे मनोयोग तथा समर्पित भाव से रात-दिन संलग्न हैं।

सीएमएस का 63 वर्षों के व्यापक शैक्षिक अनुभव के आधार पर मानना है कि मनुष्य की ओर से सर्वशक्तिमान परमेश्वर को अर्पित की जाने वाली समस्त सम्भव सेवाओं में से सर्वाधिक महान सेवा है- (अ) बच्चों की शिक्षा, (ब) उनके चरित्र का निर्माण तथा (स) उनके हृदय में परमात्मा के प्रति अटूट प्रेम उत्पन्न करना। युद्ध के विचार सबसे पहले मनुष्य के मस्तिष्क में पैदा होते हैं अतः दुनियाँ से युद्धों को समाप्त करने के लिये मनुष्य के मस्तिष्क में ही शान्ति के विचार उत्पन्न करने होंगे। शान्ति के विचार देने के लिए मनुष्य की सबसे श्रेष्ठ अवस्था बचपन है।

स्कूल चार दीवारों वाला एक ऐसा भवन है जिसमें कल का भविष्य छिपा है। मनुष्य तथा मानव जाति का भाग्य क्लास रूम में गढ़ा जाता है। शिक्षकों को पूरे मनोयोग से विद्यालय को लघु विश्व का मॉडल तथा बच्चों को विश्व नागरिक बनाना चाहिए। चरित्र निर्माण एवं विश्व एकता की शिक्षा इस युग की सबसे बड़ी आवश्यकता है! अभिभावकों को भी विद्यालय में मिल रहे इन विचारों के अनुकूल घरों में ये विचार अपने बच्चों को बाल्यावस्था से देना चाहिए। विद्यालय तथा घर ही सबसे बड़े तीर्थधाम हैं। पारिवारिक एकता के द्वारा विश्व एकता की शिक्षा इस युग की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

- वसुधैव कुटुम्बकम् - जय जगत-

(लेखक - डॉ. जगदीश गाँधी/ ईएमएस)

आज का इतिहास 14 मई

1702 स्वीडन नरेश चार्ल्स की हत्या हुई.
1921 इटली के चुनावों में फासिस्टों को भारी सफलता मिली.
1948 इजरायल की स्थापना हुई.
1960 एयर इंडिया ने पहली बार न्यूयार्क तक उड़ान भरी.
1963 कुवैत राष्ट्र संघ का 111वाँ सदस्य बना.
1973 अमेरीका ने अंतरिक्ष प्रयोगशाला स्काईलैब प्रथम का प्रक्षेपण किया.
1976 भारत पाकिस्तान के बीच राजनीतिक संबंध पुन: स्थापित करने के लिए सहमति.
1982 ऑल इंडिया रेडियो का नाम आकाशवाणी रखा गया.
1989 अर्जेन्टीना में पोरोवादी नेता कार्लोस मेनेम को राष्ट्रपति चुनावों में भारी सफलता मिली.
1995 चरारे शरीफ में उग्रवादियों का सफाया करने के बाद सेना ने अपना नियंत्रण स्थापित किया.
1997 सीबीआई ने बोफोर्स तोप सौदे में दलाली की जांच रिपोर्ट सौंपी.
1999 कोसोवा में नाटो के हमले में 97 व्यक्ति मारे गए.
1999 शिरोमणी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व अध्यक्ष गुरुचरणसिंह टोहरा को शिरोमणी अकाली दल से छ: वर्ष के लिये निष्कासित किया गया.
2000 पंजाब परिवहन निगम की एक बस रोपड़ में नहर में गिर जाने से 40 मरे.
2001 तमिलनाडु में सुश्री जयललिता मुख्यमंत्री बनी.
2002 जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमले में 30 लोग मारे गये.

कच्चा या अधपका न खाएं, शरीर में जमा हो जाएंगे जहरीले तत्व

सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ऐंड प्रिवेंशन के अनुसार, पशु आधारित कच्चे खाद्य पदार्थों के दूषित होने की सबसे अधिक संभावना है। इसका मतलब यह है कि अगर आप कच्चा या अधपका मांस और चिकन, कच्चे या हल्के पके हुए अंडे, कच्चा दूध और कच्ची मछली का सेवन करते हैं, तो आपको फूड पॉइजनिंग का खतरा हो सकता है।

बेहतर स्वास्थ्य के लिए बेहतर खान-पान जरूरी है। खाने में किसी भी तरह की लापरवाही आपकी सेहत के लिए भारी पड़ सकती है। लोग जाने-अनजाने ऐसी चीजों का सेवन करते रहते हैं, जो शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा करती रहती हैं। सभी चीजों को बनाने और खाने का तरीका अलग-अलग होता है। ऐसा माना जाता है कि खाने की कुछ चीजों में ऐसे जहरीले तत्व पाए जाते हैं जिनसे विभिन्न तरह की समस्याएं हो सकती हैं। इन चीजों में हानिकारक कीटाणु हो सकते हैं, जो भोजन के दूषित करने के साथ आपको बहुत बीमार कर सकते हैं।

सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ऐंड प्रिवेंशन के अनुसार, पशु आधारित कच्चे खाद्य पदार्थों के दूषित होने की सबसे अधिक संभावना है। इसका मतलब यह है कि अगर आप कच्चा या अधपका मांस और चिकन, कच्चे या हल्के पके हुए अंडे, कच्चा दूध और कच्ची मछली का सेवन करते हैं, तो आपको फूड पॉइजनिंग का खतरा हो सकता है।

सीडीसी का मानना है कि फल और सब्जियां भी दूषित हो सकती हैं। खाने की कुछ चीजें आपको बीमार कर सकती हैं। कोई भी खाने की चीज खेत में, प्रोसेसिंग के दौरान फूड प्रोडक्शन चेन के दौरान दूषित हो सकती है। चलिए जानते हैं कि वो कौन से खाद्य पदार्थ हैं, जो विषाक्तता से अधिक जुड़े हुए हैं और उनसे बीमार होने से कैसे बचा जा सकता है।

चिकन या लाल मांस

कच्चा और अधपका मांस या चिकन आपको बीमार कर सकते हैं। अधिकांश कच्चे मुर्गे में कैम्पिलोबैक्टर होता है। इसमें साल्मोनेला, क्लोस्ट्रीडियम परफिरिंगेंस और अन्य बैक्टीरिया भी हो सकते हैं। कच्चे मांस में साल्मोनेला, ई. कोलाई, यर्सिनिया और अन्य बैक्टीरिया हो सकते हैं। इन्हें बनाने पहले आपको अच्छी तरह धोना चाहिए और पकाते समय कच्चा नहीं छोड़ना चाहिए।

फल और सब्जियां

ताजे फल और सब्जियां खाने से महत्वपूर्ण स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं, लेकिन कभी-कभी कच्चे फल और सब्जियां साल्मोनेला, ई कोलाई और लिस्टेरिया जैसे हानिकारक कीटाणुओं से खाद्य विषाक्तता का कारण बन सकती हैं। ताजे फल और सब्जियां खेत से घर तक की यात्रा के दौरान कहीं भी दूषित हो सकती हैं। इन्हें पकाने से पहले अच्छी तरह धोएं और अधपका न छोड़ें।

कच्चा दूध

आप कच्चे (अनपास्चराइज्ड) दूध और उससे बने उत्पादों से बहुत बीमार हो सकते हैं. इन चीजों में सॉफ्ट चीज़, आइसक्रीम और दही भी शामिल हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि कच्चा दूध हानिकारक कीटाणुओं से भरा हो सकता है, जिनमें कैम्पिलोबैक्टर, क्रिप्टोस्पोरिडियम, ई. कोलाई, लिस्टेरिया और साल्मोनेला शामिल हैं। आपको कच्चा दूध पीने से बचना चाहिए।

अंडे -अंडेमें साल्मोनेला नामक एक जर्म हो सकता है जो आपको बीमार कर सकता है। भले ही अंडा साफ और बिना फटा दिखे लेकिन ऐसा हो सकता है। कच्चे या अधपके अंडे से रेसिपी तैयार करते समय पास्चुरीकृत अंडे और अंडे के उत्पादों का उपयोग करें। अंडे को तब तक पकाएं जब तक कि जर्दी और सफेद हिस्सा सख्त न हो जाएं।

आटा

आटा आमतौर पर एक कच्चा कृषि उत्पाद है जिसका बैक्टीरिया को मारने के लिए कोई ट्रीटमेंट नहीं किया जाता है। यही वजह है कि हानिकारक कीटाणु अनाज को दूषित कर सकते हैं। आटे से बने भोजन को पकाने से जीवाणु मर जाते हैं। इसलिए आपको कभी भी कच्चा आटा नहीं चखना चाहिए। कच्ची रोटी खाने से भी खतरा बढ़ सकता है।

इसके अलावा सामूहिक भोज में परोसी जानी वाली सलाद भी बहुत नुकसानदायक होती हैं कारण उनका रख रखाव में स्वच्छता का आभाव होता हैं .इसके लिए ना भी खाये वह लाभकारी होता हैं।

नाटो का विस्तार और भारत

'नाटो' नामक सैन्य संगठन में अब यूरोप के दो नए देश भी जुड़नेवाले हैं। ये हैं- फिनलैंड और स्वीडन। इस तरह 1949 में अमेरिका की पहल पर बने 15 देशों के इस संगठन के अब 32 सदस्य हो जाएंगे। यूरोप के लगभग सभी महत्वपूर्ण देश इस सैन्य संगठन में एक के बाद एक शामिल होते गए, क्योंकि शीतयुद्ध के जमाने में उन्हें सोवियत संघ से अपनी सुरक्षा चाहिए थी और सोवियत संघ के खत्म होने के बाद उन्हें स्वयं को संपन्न करना था। फिनलैंड, स्वीडन और स्विटजरलैंड जान-बूझकर सैनिक गुटबंदियों से अलग रहे लेकिन यूक्रेन पर हुए रूसी हमले ने इन देशों में भी बड़ा डर पैदा कर दिया है। फिनलैंड तो इसलिए भी डर गया है कि वह रूस की उत्तरी सीमा पर अवस्थित है। रूस के साथ उसकी सीमा 1340 किमी की है, जो नाटो देशों से दुगुनी है। फिनलैंड पर हमला करना रूस के लिए यूक्रेन से भी ज्यादा आसान है। यूक्रेन की तरह फिनलैंड भी रूसी साम्राज्य का हिस्सा रहा है। सेंट पीटर्सबर्ग से मास्को जितनी दूर है, उससे भी कम दूरी (400 किमी) पर फिनलैंड है। द्वितीय महायुद्ध के बाद फिनलैंड तटस्थ हो गया लेकिन स्वीडन तो पिछले 200 साल से किसी भी सैन्य गठबंधन में शामिल नहीं हुआ। अब ये दोनों देश नाटो में शामिल होना चाहते हैं, यह रूस के लिए बड़ा धक्का है। उधर दक्षिण कोरिया भी चौगुटे (क्वाड) में शामिल होना चाह रहा है। ये घटनाएं संकेत दे रही हैं- नई वैश्विक गुटबाजी के! रूस और चीन मिलकर अमेरिका को टक्कर देना चाहते हैं और अमेरिका उनके विरूद्ध सारी दुनिया को अपनी छतरी के नीचे लाना चाहता है। यदि फिनलैंड और स्वीडन नाटो की सदस्यता के लिए अर्जी डालेंगे तो भी उन्हें सदस्यता मिलने में साल भर लग सकता है, क्योंकि सभी 30 देशों की सर्वानुमति जरुरी है। नाटो के महासचिव ने इन दोनों देशों का स्वागत किया है लेकिन मास्को ने काफी सख्त प्रतिक्रिया दी है। रूसी प्रवक्ता ने कहा है कि नाटो का यह विस्तार रूसी सुरक्षा के लिए सीधा खतरा है। रूस चुप नहीं बैठेगा। वह जवाबी कार्रवाई करेगा। वह फौजी, तकनीकी और आर्थिक कदम भी उठाएगा। रूस ने धमकी दी है कि वह फिनलैंड को गैस की सप्लाय बंद कर देगा। वह बाल्टिक समुद्र के तट पर परमाणु प्रक्षेपास्त्र तैनात करने की भी तैयारी करेगा। इन सब धमकियों को सुनने के बावजूद इन देशों की जनता का रूझान नाटो की तरफ बढ़ रहा है। इनकी 70-80 प्रतिशत जनता नाटो की सदस्यता के पक्ष में है, क्योंकि नाटो चार्टर की धारा 5 कहती है कि नाटो के किसी एक सदस्य पर किए गए हमले को सभी तीसों सदस्यों पर हमला माना जाएगा। यदि यूक्रेन नाटो का सदस्य होता तो रूस की हिम्मत ही नहीं होती कि वह उस पर हमला करे। यूक्रेन की फजीहत इसीलिए हो रही है कि वह नाटो का सदस्य नहीं है। ऐसा लगता है कि अब विश्व राजनीति फिर से दो गुटों में बंटनेवाली है। यह खेल ज़रा लंबा चलेगा। भारत को अपने कदम फूंक-फूंककर रखने होंगे। भारतीय विदेश नीति को अपना ध्यान दक्षिण और मध्य एशिया के पड़ौसी देशों पर केंद्रित करना होगा। इन देशों को गुटीय राजनीति में फिसलने से बचाना भारत का लक्ष्य होना चाहिए। (लेखक/ईएमएस-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

खेल - समाचार

केकेआर को हराकर प्लेऑफ के लिए उम्मीदें बनाये रखने उतरेगी सनराइजर्स

पुणे (ईएमएस)। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम शनिवार को होने वाले आईपीएल के लीग मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बरकरार रखने उतरेगी। सनराइजर्स हैदराबाद के 11 मैचों में 10 अंक हैं और उसे प्लेऑफ में पहुंचने के लिए इन तीनों को जीतना होगा। एक भी मैच हारने पर वह बाहर हो जाएगी। सनराइजर्स की राह आसान नहीं है कयोंकि पिछले पांच मैचों में उसे लगातार हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में उसे केकेआर के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। वहीं दूसरी ओर केकेआर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। उसके 12 मैचों में 10 अंक हैं और अब उसके दो मैच ही शेष हैं, अगर वह इन दोनो को भी जीत लेती है तो भी उसके 14 अंक ही होंगे जबकि राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर 12 मैचों में 14 अंक लेकर शीर्ष चार में बरकरार हैं।

सनराइजर्स को इस मैच में जीत दर्ज करनी है तो उसके गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पिछले मैच में उसके प्रमुख गेंदबाज उमरान मलिक नाकाम रहे थे। उसे वॉशिंगटन सुंदर और टी नटराजन के नहीं होने का भी नुकसान उठाना पड़ा था। आरसीबी के खिलाफ पिछले मैच में सनराइजर्स ने फजलहक फारुकी और कार्तिक त्यागी को उतारा पर यह दोनो ही प्रभावित नहीं कर पाये। जहां तक बल्लेबाजी की बात है टीम के पास टीम की उम्मीदें

कप्तान केन विलियमसन पर टिकी रहेंगी। होगी। विलियमसन अब तक इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं पर अब उन्हें टीम को जीत दिलाने रन बनाने होंगे। युवा अभिषेक शर्मा के साथ ही. राहुल त्रिपाठी, निकोलस पूरन और एडेन मार्करम से टीम को बेहतर बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। वहीं दूसरी ओर केकेआर इस सत्र में अपनी अंतिम ग्यारह में लगातार बदलाव करती रही है जो उसके लिए नुकसानदेह रहा है। केकेआर ने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस को हराया था जिससे उसका मनोबल कुछ हद तक बढ़ा रहेगा। केकेआर की टीम हालांकि पावरप्ले में रन बनाने में विफल रही है। युवा वेंकटेश अय्यर अब लय में आ रहे हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। गेंदबाजी की बात करें तो टिम साउदी और पैट कमिंस ने पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था पर इस मैच में कमिंस नहीं खेलेंगे क्योंकि फिट नहीं होने के कारण वह आईपीएल से बाहर हो गये हैं।

इसके अलावा अनुभवी गेंदबाज उमेश यादव भी मांसपेशियों खिंचाव के कारण

पिछले मैच में नहीं खेल पाये थे। अब देखना है कि वह फिट हो पाते हैं या नहीं

43 साल में पहली बार थॉमस कप के सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम

मलेशिया को 3-2 से हराया

बैंकॉक (ईएमएस)। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने 43 साल में पहली बार थॉमस कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। भारतीय टीम ने मलेशिया को 3-2 से हराकर कांस्य पदक पक्का किया है। भारत ने साल 1979 के बाद से इस इस टूर्नामेंट में कोई पदक नहीं जीता है। भारत को इससे पहले इंटर जोनल फाइनल में पहुंचने पर तीन कांस्य मिले थे। क्वालीफाइंग प्रारूप में बदलाव के बाद यह पहला अवसर है जब भारत को इस टूर्नामेंट में कोई पदक मिला है।

भारत के चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की पुरुष युगल जोड़ी के अलावा किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय की जीत से भारत सेमीफाइनल में पहुंचा है। अब यहां भारतीय टीम का सामना कोरिया या डेनमार्क के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा।

भारतीय टीम के युवा खिलाड़ी लक्ष्य सेन यहां असफल रहे और शुरुआती एकल मुकाबले में ही हार गये। उन्हें मौजूदा विश्व चैंपियन ली जी जिया ने 46 मिनट तक चले मुकाबले में 21-23 9-21 से हराया पर चिराग और सात्विकसाईराज की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व के 13वें नंबर के खिलाड़ी गोह से फी और नूर इजुद्दीन को 21-19 21-15 से हराकर भारतयीय टीम की उम्मीदें जगायीं। इसके बाद श्रीकांत ने विश्व रैंकिंग के 46वें नंबर के खिलाडी एनजी त्जे योंग को 21-11 21-17 से हराकर भारत की बढ़त को 2-1 पहुंचा दिया। विश्व रैंकिंग में 45वें स्थान पर कायम कृष्णा प्रसाद गरागा और विष्णुवर्धन गौड़ पंजाला की जोड़ी को हालांकि इसके बाद आरोन चिया और टीओ ई यी के हाथों हार का सामना करना पड़ा पर प्रणय ने हुन हाओ लेओंग को 21-13 21-8 से हराकर भारतीय टीम को वापसी करायी।

नडाल इटालियन ओपन से बाहर हुए , शापोवालोव , जोकोविच अगले दौर में पहुंचे

रोम (ईएमएस)। स्पेन के टेनिस स्टार राफेल नडाल इटालियन ओपन में हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। नडाल को तीसरे दौर के मुकाबले में कनाडा के डेनिस शापोवालोव ने हराया। इस मैच में नडाल अपनी पूरी ताकत से नहीं खेल पाये क्योंकि वह पैर में दर्द से परेशान थे। ऐसे में नडाल कनाडाई खिलाड़ी के खिलाफ मिली शुरुआती बढ़त का लाभ नहीं उठा पाये और 1-6, 7-5, 6-2 से हार कर बाहर हो गये।

गौरतब है कि बाएं पांव में चोट के कारण नडाल पिछले साल भी कई टूर्नामेंट में नहीं खेल पाए थे। आगामी फ्रेंच ओपन 22 मई से शुरू हो रहा है ऐसे में नडाल का वहां खेलना भी संदिग्ध नजर आ रहा है।

वहीं एक अन्य मुकाबले में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने स्विटजरलैंड के स्टेन वावरिंका को 6-2, 6-2 से हराया। वावरिंका बाएं पांव की सर्जरी के बाद अपना दूसरा टूर्नामेंट खेल रहे थे। जोकोविच का सामना अब फेलिक्स ऑगर अलियासिम से होगा। फेलिक्स ने एक अन्य मुकाबले में अमेरिकी क्वालीफायर मार्कोस गिरोन को 6-3, 6-2 से हराया था।

पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने मुकेश

मुम्बई (ईएमएस)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी ने अपने नाम एक अहम उपलब्धि हासिल की है। मुकेश आईपीएल के 15वें सत्र के पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हैं। शुरुआती छह ओवरों में ही मुकेश के नाम अब तक 11 विकेट हैं।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकेश ने अपने चार ओवर के कोटे में 23 रन देते हुए सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। यह युवा गेंदबाज इस प्रकार इस सत्र में पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी से भी आगे निकल गया है। शमी ने अभी तक आईपीएल पावरप्ले में 10 विकेट लिए हैं जबकि पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा और कोलकाता नाइटराइडर्स के तेज गेंदबाज उमेश यादव के नाम 8-8 विकेट हैं।

सिंधु की हार के साथ ही भारतीय महिला टीम उबेर कप से बाहर हुई

बैंकॉक (ईएमएस)। भारतीय महिला बैडमिंटन टीम थाईलैंड में जारी उबेर कप से बाहर हो गयी है। भारतीय टीम को क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड के हाथों 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। शीर्ष भारतीय खिलाड़ी सिंधु को पहले ही एकल मुकाबले में रतचानोक इंतानोन ने 21-18, 17-21, 12-21 से हराया। यह मुकाबला एक घंटे से भी कम समय तक चला। इस हार के साथ ही सिंधु का इंतानोन के खिलाफ रिकॉर्ड 4-7 हो गया है। वहीं एक अन्य मुकाबले में श्रुति मिश्रा और सिमरन सिंघी की महिला युगल जोड़ी को जोंगकोलफान किथिथाराकुल और राविंदा प्राजोंगजई के हाथों 16-21, 13-21 से हार मिली। इस प्रकार भारत 0-2 से पीछे हो गया। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी आकर्षी कश्यप भी 42 मिनट तक चले दूसरे एकल मैच में पोर्नपावी चोचुवोंग के हाथों 16-21, 11-21 से हार कर बाहर हो गयीं।

इस प्रकार थाईलैंड को 3-0 की अजेय बढ़त मिल गयी। ऐसे में बचे हुए दो मैच केवल औपचारिकता भर रह गए थे जिन्हें नहीं खेलने का फैसला किया गया। इससे पहले भारत की ही सिंधु को ग्रुप डी के अंतिम मैच में दुनिया की चौथे नंबर की कोरियाई खिलाड़ी एन सेयॉन्ग के खिलाफ सीधे गेम में 15-21 14-21 से हार मिली।

टी20 प्रारूप में खेला जाएगा अंडर-19 महिला क्रिकेट विश्व कप

वेलिंगटन (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि अगले साल जनवरी 2023 में होने वाला पहला आईसीसी अंडर-19 महिला क्रिकेट विश्व कप टी20 प्रारूप में खेला जाएगा। आईसीसी के सीईओ ज्योफ एलार्डिस ने यह बात कही।

एलार्डिस ने मीडिया से कहा, 'अंडर-19 विश्व कप जनवरी 2023 में होना निर्धारित है, इसका प्रारूप टी-20 होगा।' इसके साथ ही आईसीसी के सीईओ ने यह भी कहा कि जुलाई 2022 में महिला क्रिकेट टूर्नामेंटों (2024-27) के अगले चक्र के मेजबानों की पुष्टि भी होगी।

गौरतलब है कि आईसीसी ने अक्टूबर 2019 में बोर्ड की एक बैठक के दौरान पहला महिला अंडर-19 विश्व कप आयोजित करने की घोषणा की थी। अंडर-19 महिला विश्व कप जनवरी 2021 में होने वाला था पर कोरोना महामारी के कारण इसे दिसंबर 2021 तक के लिए टाल दिया गया था। इसके बाद जनवरी 2022 में यह खेला जाना था पर तभी कोरोना संक्रमण बढ़ने से एक बार फिर यह नहीं हो पाया।

शर्मनाक हार से बैंगलोर की उम्मीदों के झटका, अब कैसे प्लेआफ में पहुंचेगी टीम ?

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में प्लेआफ में पहुंचने का सपना 7 टीमें देख रही हैं। चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस रेस के बाहर है जबकि गुजरात टाइटंस पहले ही अपना टिकट पक्का कर चुकी है। शुक्रवार को रायल चैलेंजर्स बैंगलोर का सामना पंजाब किंग्स के साथ हुआ। दोनों ही टीम प्लेआफ की दावेदारी मजबूत करने उतरी थी और पंजाब ने दमदार जीत हासिल की।

शुक्रवार को आइपीएल 2022 के 60वें मुकाबले में टास हारने के बाद तूफानी बल्लेबाजी के दम पर टीम ने 9 विकेट पर 209 रन का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया। ओपनर जानी बेयरस्टो ने ताबड़तोड़ 66 रन बनाए जबकि लियाम लिविंग्स्टोन ने 70 रन की तूफानी पारी खेल टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। लक्ष्य का पीछा करते हुए बैंगलोर की टीम 9 विकेट पर 155 रन ही बना पाई और 54 रन के बड़े अंतर से मैच गंवा दिया। इस हार की वजह से उसके प्लेआफ की उम्मीदों को झटका लगा है तो पंजाब की दावेदार मजबूत हो गई।

इस वक्त अंक तालिका में बैंगलोर की टीम चौथे स्थान पर है। 13 मैच खेलने के बाद उसके खाते में 14 अंक हैं। पंजाब के खिलाफ मिली करारी हार ने टीम को झटका दिया है। उसे 54 रन की बड़ी हार की वजह से नेट रन रेट में नुकसान पहुंचा है। पंजाब के खिलाफ मुकाबले में जीत हासिल करने में अगर टीम कामयाब होती तो वह 18 अंकों तक पहुंच सकती थी। इस वक्त अंक तालिका में बैंगलोर की टीम चौथे स्थान पर है। 13 मैच खेलने के बाद उसके खाते में 14 अंक हैं। पंजाब के खिलाफ मिली हार ने टीम को झटका दिया है। उसे 54 रन की बड़ी हार की वजह से नेट रन रेट में नुकसान पहुंचा है।

पंजाब से मिली हार के बाद बैंगलोर के सामने अब करो या मरो की स्थिति पैदा हो गई है। टीम के पास एक मात्र मुकाबला बचा है जिसे हर हार में जीतना होगा। बैंगलोर की टीम को उस गुजरात की टीम से खेलना है जो टाप फार्म में है और अब तक 12 में से महज 3 मुकाबले हारी है। गुजरात इस सीजन पहली बार खेलने उतरी है और प्लेआफ में पहुंचने वाली पहली टीम बन चुकी है। बैंगलोर की टीम के सिर्फ जीत ही नहीं चाहिए बल्कि बड़ी जीत हासिल करनी होगी क्योंकि 16 अंकों तक पहुंचने वाली टीमें और भी होने वाली हैं।

चीनी सेना ताइवान और गुआम पर हमले का अभ्यास कर रही

बीजिंग (ईएमएस)। चीनी सेना ने मिसाइल हमले की तैयारी शुरू कर दी है। ड्रैगन की सेना ताइवान और गुआम पर हमले का अभ्यास कर रहा है। चीन ने अपने जहाज रोधी मिसाइल प्रशिक्षण में बड़े, वाहक आकार के लक्ष्यों को छोटे जहाजों और नौसैनिक स्टेशनों को लक्षित करते हुए अभ्यास शुरू कर दिया है। यह जानकारी सैटेलाइट द्वारा ली गई तस्वीरों से मिली है। ताइपे के नौसेना विश्लेषक के अनुसार, वे झिंजियांग के दूरस्थ तकलामाकन में एक प्रशिक्षण शिविर दिखाते हैं। इसमें साफ जाहिर है कि एक नौसैनिक अड्डे में लंगर डाले एक नकली जहाज है ओर वह लक्ष्यों पर हमला कर रहा है। यह अभ्यास इसतरह के लेआउट को तैयार कर किया जा रहा है, जैसा कि वास्तव में पूर्वोत्तर ताइवान और गुआम में बने हुए हैं।

हाल के उपग्रह से ली गई तस्वीरों से साफ पता चलता है कि चीन की सेना, विध्वंसक हथियार और डॉक सहित रेगिस्तान के किनारे पर बड़े पैमाने पर हमला बोलने की तैयारी में है। उसने भी लक्ष्य और सीमा के लिए तैयारी कर रखी है। यूएस नेवल इंस्टीटयूट ने बताया है कि चीन कई तरह से हमले करने की तैयारी कर चुका है। दरअसल चीन की सेना हमेशा से ही अमेरिका को जापान के पूर्व में रक्षा की दूसरी पंक्ति मानती है। इसमें गुआम मारियानास द्वीप श्रृंखला में सबसे महत्वपूर्ण आधार है।यूएस बी-1, बी-2 और बी-52 सामरिक बमवर्षक गुआम के एंडरसन वायु सेना बेस पर तैनात हैं। बी-2 और बी-52 सामरिक बमवर्षक परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार में शुक्रवार को भी गिरावट रही। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन विदेशी बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने के साथ ही मुद्रास्फीति के बढ़ने की आशंका से भी बाजार नीचे आया है। इससे पहले गत दिवस भी बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुआ था। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स कारोबार के अंत में 136.69 अंक करीब 0.26 फीसदी नीचे आकर 52,793.62 अंक पर बंद हुआ जबकि कारोबार के दौरान यह 855.4 अंक ऊपर आकर 53,785.71 अंक तक पहुंच गया था हालांकि अंतिम समय में मुनाफावसूली से यह नीचे फिसल गया।

वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 25.85 अंक तकरीबन 0.16 फीसदी नीचे आकर 15,782.15 अंक पर खिसक गया। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक और मारुति सुजुकी के शेयर सबसे ज्यादा गिरे हैं। वहीं इसके विपरीत सन फार्मा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईटीसी, एचयूएल, टाइटन और रिलायंस के शेयरों को लाभ हुआ।

दूसरी ओर एशिया के अन्य बाजारों में टोक्यो, हांगकांग, सोल और शंघाई में बढ़त दर्ज हुई। उधर यूरोपीय शेयर बाजार भी बढ़त पर रहे। अमेरिकी शेयर बाजारों से मिश्रित संकेत मिले हैं।

महंगाई पर अंकुश में डब्ल्यूटीओ की भूमिका चाहता है भारत

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने वैश्विक स्तर पर महंगाई बढ़ने के बीच विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) से अपनी भूमिका निभाने को कहा है। डब्ल्यूटीओ में राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि ब्रजेंद्र नवनीत ने भारत की तरफ से दिए गए बयान में यह आग्रह किया। उन्होंने कहा वैश्विक व्यापार निकाय की सर्वोच्च प्राथमिकता अर्थव्यवस्थाओं में पुनरुद्धार और कोविड-19 महामारी के बाद और भू-राजनीतिक संकट के दौरान आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने की होनी चाहिए। स्थायी प्रतिनिधि ने कहा, वर्तमान स्थिति ने एक और नई बड़ी परेशानी खड़ी कर दी है, जो अधिकांश देशों की अर्थव्यवस्थाओं में बढ़ती मुद्रास्फीति है। यह बयान चार मई को व्यापार वार्ता समिति (टीएनसी) और प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुख (एचओडी) की अनौपचारिक बैठक के दौरान दिया गया था।

आरबीआई एक फीसदी तक बढ़ा सकता है ब्याज दरें

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई)। अप्रैल में महंगाई दर के आठ साल के उच्चतम स्तर 7.79 फीसदी पर पहुंचने के बाद चालू वित्त वर्ष में रेपो दर एक फीसदी बढ़ा सकता है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने यह संभावना जताई है। क्रिसिल की शोध इकाई ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के लिए औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति बढ़कर 6.3 प्रतिशत पर पहुंच सकती है, जो केंद्रीय बैंक के संतोषजनक स्तर छह फीसदी से अधिक है। रिजर्व बैंक ने इस महीने की शुरुआत में बढ़ती मुद्रास्फीति को नियंत्रण में करने के लिए रेपो दर को 0.4 प्रतिशत बढ़ाकर 4.40 प्रतिशत कर दिया था। अगस्त, 2018 के बाद पहली बार रेपो दर को बढ़ाया गया है। अब महंगाई में तेजी से वृद्धि के चलते रेपो रेट में और इजाफा हो सकता है। ?जिससे लोन ईएमआई और बढ़ जाएगी। वित्त वर्ष 2022-23 में मुद्रास्फीति व्यापक हो सकती है। इससे खाद्य वस्तुओं, ईंधन और मुख्य क्षेत्रों में महंगाई बढ़ेगी। इसलिए संभावना है कि रिजर्व बैंक चालू वित्त वर्ष में रेपो दर में 0.75 से एक प्रतिशत की और बढ़ोतरी करे।

सोना हुआ सस्ता, चांदी की कीमत बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भी कीमती धातुओं के दाम में उतार-चढ़ाव का दौर देखा जा रहा है। जहां बीते सत्र सोने के दाम में इजाफा हुआ था और चांदी टूटी थी, तो शुक्रवार को इसके ?विपरीत सोने के दाम में ?गिरावट आई है जबकि चांदी की कीमत बढ़ी है। एमसीएक्स पर शुक्रवार को सोने की कीमत 0.10 फीसदी की गिरावट आई है और इसका भाव टूटकर 50,122 रुपए प्रति दस ग्राम रह गया है। एक ओर जहां सोने के दाम में कमी आई है, तो वहीं दूसरी ओर चांदी की कीमत में इजाफा हुआ है। चांदी का दाम शुक्रवार को 0.11 फीसदी की उछाल के साथ 58,813 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है। बता दें कि आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का ही इस्तेमाल होता है। कुछ लोग 18 कैरेट सोने का भी इस्तेमाल करते हैं। आभूषण पर कैरेट के हिसाब से हॉल मार्क बना होता है। 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999 लिखा होता है, जबकि 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है। देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है। कीमती धातुओं के दाम में बीते कुछ सत्रों से जोरदार गिरावट देखने को मिली है। विशेषज्ञों की राय है कि यह समय सोना और चांदी खरीदने के लिए बेहतर है। यहां बता दें कि बीते बुधवार को सोने का भाव तीन महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया था। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने की कीमत तीन महीने के निचले स्तर पर चल रही है।

पैकेट का वजन घटाकर आपकी जेब हल्की कर रहीं कंपनियां

मुंबई (ईएमएस)। दैनिक उपयोग के उत्पाद बनाने वाली कंपनियां चिप्स, बिस्किट, नमकीन के पैकेट का वजन घटाकर आपकी जेब हल्की कर रही हैं। महंगाई में उछाल के बाद बढ़ी लागत की भरपाई के लिए एफएमसीजी कंपनियों का यह तरीका पहले भी अपनाती रही हैं। बिस्किट से जड़ी कंपनियों के अलावा ज्यादातर कंपनियां पैकेटों का आकार भी वैसा ही रखती हैं पर मात्रा उसमें मात्रा कम कर देती हैं। पारले-जी बिस्किट, बीकाजी नमकीन और कोलगेट टूथपेस्ट ऐसे ढेरों प्रोडक्ट हैं, जिनकी कीमत 1 रुपए नी नहीं बढ़ी लेकिन फिर भी ये महंगे हो गए हैं। पांच रुपए वाले जैसे पारले ?बिस्किट का वजन 64 ग्राम से घटकर 55 ग्राम हो गया है। इसी तरह कोलगेट के टूथपेस्ट 10 रुपए वाले पैकेट का वजन 25 ग्राम से घटाकर 18 ग्राम कर दिया गया है। कैडबरी सेलिब्रेशन पहले 100 रुपए में 150 ग्राम चॉकलेट का पैकेट देता था। जो अब घटकर 100 ग्राम हो गया है। इतना ही नहीं, पहले 30 रुपए के पैकेट में 10 सेनेटरी पैड आते थे, जिन्हें अब घटाकर 7 कर दिया है। बीकाजी कंपनी पहले 10 रुपए में 80 ग्राम नमकीन देती थी जिसे अब घटाकर आधा यानी 40 ग्राम कर दिया गया है। दरअसल खाद्य उत्पाद के दाम बढ़ने से कंज्यूमर उत्पाद बनाने वाली कंपनियों की लागत बढ़ी है। विशेषज्ञों का कहना है कि बीते एक साल में अधिकांश कमोडिटी की कीमतों में बड़ा उछाल आया है लेकिन मात्रा कम कर उपभोक्ताओं को भ्रम में रख कंपनियां दाम तो नहीं बढ़ा रही हैं पर मात्रा कम कर रही हैं। चिप्स, बिस्किट और नमकीन के छोटे पैकेट का बाजार ज्यादा बड़ा है। इसमें पांच रुपए और 10 रुपए के पैकेट का एक अलग उपभोक्ता वर्ग है, जिसकी संख्या अधिक है। ऐसे में इस श्रेणी दाम बढ़ाने का जोखिम कोई भी कंपनी नहीं लेना

सितंबर, 2021 से मार्च, 2022 के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार घटा

मुंबई (ईएमएस)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार सितंबर, 2021 के आ?खिर में 635.36 अरब डॉलर से घटकर इस वर्ष मार्च महीने के आ?खिरी तक 607.31 अरब डॉलर रह गया है। इस तरह विदेशी मुद्रा भंडार में 28.05 अरब डॉलर की गिरावट आई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। आरबीआई ने विदेशी मुद्रा भंडार के प्रबंधन पर अर्द्धवार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित करता है। इसे पारदर्शिता और खुलासे के स्तर में सुधार की दृष्टि से प्रकाशित किया जाता है। यह रिपोर्ट हर साल मार्च और सितंबर के आ?खिर में तैयार की जाती हैं। वर्तमान रिपोर्ट, इस पूरी श्रृंखला में 38 वीं रिपोर्ट है, जो मार्च, 2022 के आ?खिर की स्थिति के संदर्भ में है। रिपोर्ट में कहा गया है, सितंबर 2021 के अ?खिर में विदेशी मुद्रा भंडार 635.36 अरब डॉलर था, जो मार्च, 2022 के आ?खिर तक घटकर 607.31 अरब डॉलर रह गया।

यूएई में नौकरी जाने पर सरकार देगी आर्थिक मदद

अबूधाबी (ईएमएस)। किसी कारण से नौकरी जाने पर यूएई में कर्मचारियों की आर्थिक मदद सरकार करेगी। बेरोजगारी बीमा के तहत कर्मचारियों को यह सुविधा मिलेगी। इसके तहत सरकार की ओर से तब तक आर्थिक मदद मिलती रहेगी, जब तक कि दूसरी नौकरी नहीं मिल जाती। संयुक्त अरब अमीरात ने वर्करों के लिए बेरोजगारी बीमा की शुरुआत करने की घोषणा की है। मीडिया ने बताया है कि उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री और दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने इसका ऐलान किया है। मानव संसाधन और अमीरात मंत्री अब्दुल मन्नान अल अवार ने इसकी जानकारी दी है। अगर किसी कर्मचारी की नौकरी चली जाती है, तब उस बेरोजगारी बीमा के तहत तब तक पैसा मिलता रहेगा, जब तक कि दूसरी नौकरी नहीं मिलती। यूएई के वर्करों को 2023 तक बेरोजगारी बीमा योजना में योगदान देना होगा। बीमा कंपनियां इस बीमा के लिए सालाना 40-100 दिरहम तक ले सकती है। इस योजना में नौकरी जाने पर एक निश्चित अवधि तक मूल वेतन का 60 फीसदी कर्मचारी को दिया जाएगा। यूएई के सरकारी और निजी कंपनियों के सभी कर्मचारियों को इसका फायदा मिलेगा। यह योजना सभी नागरिकों के लिए लागू होगी।

अवार ने बताया कि नया कानून देश में कारोबारी माहौल को बढ़ाने के साथ राष्ट्रीय प्रतिभाओं और दक्षताओं को मजबूत करेगा। निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी बढ़ाने, श्रम बाजार को आकर्षक बनाने और इसकी क्षमता को बढ़ाने के लिए यह ऐतिहासिक कदम है। यूएई ने इससे पहले पिछले महीने ही कामगारों के लिए नागरिकता नियमों में बदलाव सहित कई नई सुविधाओं की घोषणा की थी। यूएई की आबादी में 80 फीसदी विदेशी नागरिक हैं। यहां की इकॉनमी में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। बेरोजगारी बीमा के जरिये यूएई की कोशिश है कि कर्मचारियों को आकर्षित कर उन्हें बनाए रखा जाए। यूएई के नए श्रम नियमों से वहां विदेशियों के लिए काम करना आसान हो गया है। यूएई कैबिनेट ने विदेशियों के लिए नई एंट्री, रेजीडेंस स्कीम को मंजूरी दी है।

अफगानिस्तान के रेस्तरां में पति-पत्नी को भी साथ बैठने की अनुमति नहीं, तालिबान ने जारी किया नया फरमान

काबुल (ईएमएस। तालिबान राज ने अफगानिस्तान की तस्वीर बदल दी है। तमाम प्रतिबंधों का सामना कर रहीं महिलाओं के रेस्तरां जाने पर भी अब रोक लगा दी गई है। तालिबान ने रेस्तरां में महिलाओं और पुरुषों के एक साथ बैठने पर रोक लगा दी है। आतंकवादी संगठन ने फरमान जारी किया है कि पार्कों में महिलाएं और पुरुष अलग-अलग दिनों में जा सकते हैं। अफगानिस्तान के तीसरे सबसे बड़े शहर हेरात में महिलाओं को ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने पर रोक लगा दी गई और उन्हें पूरा शरीर को ढकने को कहा गया है।

हेरात में तालिबान की जेल भी मौजूद है, जहां महिलाओं को बिना पुरुष साथी के टैक्सी में बैठने के लिए बिना मुकदमा चलाए कैद किया जाता है। स्कूली छात्राओं को भी अपने पुरुष सहपाठी के साथ तस्वीर खिंचाने की सजा दी जाती है। तालिबान शासन में ऐसे काम अपराध की श्रेणी में आते हैं। अफगानिस्तान में खुलेआम मानवाधिकारों और महिलाओं के अधिकारों का हनन हो रहा है। तालिबान ने अपने पिछले कार्यकाल की तुलना में इस बार उदारता से शासन करने की बात कही थी, लेकिन अब वह अपने वायदे से मुकर गया है।

एक तालिबानी अधिकारी ने नए आदेश की पुष्टि करते हुए कहा कि महिलाओं और पुरुषों को रेस्तरां में अलग-अलग बैठने के लिए कहा गया है। रियाज़ुल्लाह सीरत ने मीडिया को बताया कि रेस्तरां मालिकों को मौखिक रूप से चेतावनी दी गई है कि 'चाहें वे पति-पत्नी' हों, नियम सभी पर लागू होते हैं। एक अफगान महिला ने बताया कि बुधवार को एक हेरात रेस्तरां में मैनेजर ने उन्हें व उनके पति को अलग-अलग बैठने के लिए कहा।

तालिबान के इस फरमान को रेस्तरां मालिक अपने व्यापार के लिए नुकसान के तौर पर देख रहे हैं। तालिबान के अधिकारी ने कहा कि उसके ऑफिस की ओर से जारी आदेश के मुताबिक हेरात के पार्कों में महिलाएं और पुरुष अलग-अलग दिनों पर जाएंगे। सीरत ने कहा कि महिलाओं को गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार को पार्कों में जाने के लिए कहा गया है। अन्य दिनों में पुरुष पार्कों में जा सकते हैं। महिलाएं अगर इस दौरान एक्सरसाइज करना चाहती हैं, तो बेहतर होगा वे अपने घरों पर ही करें। देशभर में महिलाओं के अकेले बाहर निकलने पर मनाही पहले से है और अब हेरात में महिलाओं के ड्राइविंग लाइसेंस मिलना भी बंद हो गया है।

इस्लामाबाद में अब बिना घुसे तबाही मचा सकता है ब्रह्मोस मिसाइल से लैस सुखोई

इस्लामाबाद (ईएमएस)। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और चीन के खिलाफ अपनी लंबी दूरी तक मार करने वाली क्षमता में जोरदार इजाफा किया है। भारत ने सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान से ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के अपग्रेड वर्जन का बंगाल की खाड़ी में गुरुवार को सफल परीक्षण किया गया। यह नई मिसाइल पहले के 290 किमी की अपेक्षा 450 किमी तक मार कर सकती है। यह वही ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल है जिससे पाकिस्तानी राष्ट्रपति आरिफ अल्वी डरते हैं और उन्होंने पिछले दिनों खुलकर अपने इस डर को जाहिर किया था। भारत का सुखोई फाइटर जेट बिना हवा में ईंधन भरे 1500 किमी तक मार कर सकता है। इस नई ब्रह्मोस मिसाइल से लैस होने पर यह फाइटर जेट करीब 2 हजार किमी तक मार सकता है। इस तरह से अब भारतीय वायुसेना के पास जमीन और समुद्र में लंबी दूरी तक मार करने की क्षमता हासिल हो गई है।

ब्रह्मोस मिसाइल की मदद से दुश्मन के बेहद अहम सैन्य ठिकानों, अंडरग्राउंड परमाणु बंकर, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, समुद्र में एयरक्राफ्ट कैरियर और युद्धपोतों को बेहद आसानी से तबाह किया जा सकता है। ब्रह्मोस मिसाइल का एक और वेरिएंट भी बनाया जा रहा है जो 800 किमी तक मार कर सकता है। यह मिसाइल आवाज की तीन गुना रफ्तार से हमला करती है। ब्रह्मोस की इसी जोरदार ताकत की वजह से पाकिस्तानी राष्ट्रपति आरिफ अल्वी डरते हैं। पिछले दिनों मिराज फाइटर जेट के पाकिस्तानी वायुसेना में 50 साल पूरा होने पर आयोजित एक कार्यक्रम में पाकिस्तानी राष्ट्रपति ने कहा था कि भारत ने ब्रह्मोस-2 मिसाइल बनाई है।

इस मिसाइल की स्पीड 8.5 मैक है। इसका मतलब आवाज की रफ्तार से 8.5 गुना ज्यादा तेज। ब्रह्मोस मिसाइल मिनट के अंदर पाकिस्तान में प्रवेश कर सकती है। आरिफ अल्वी ने कहा था कि हमें अपने स्वघोषित दुश्मन के खिलाफ डिफेंस को मजबूत बनाने की जरूरत है। पाकिस्तानी राष्ट्रपति ने देश की वायुसेना के तारीफ करते हुए कहा कि पाकिस्तानी वायुसेना प्रतिकूल परिस्थितियों में भी किसी भी दुस्साहस के खिलाफ देश की रक्षा करने में पूरी तरह से सक्षम है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पीएएफ ने कई बार सीमित संसाधनों के बावजूद विशेष रूप से झगड़ालू पड़ोसी भारत के दुस्साहस का करारा जवाब देते हुए अपनी ताकत साबित की है। पाकिस्तान ने हाल ही में चीन से एयर डिफेंस सिस्टम खरीदा है जो भारत के एस-400 का जवाब माना जा रहा है।

हृदय बीमारियों में ईकोकार्डियोग्राफी से कारगर है एमआरआई

- शल्य क्रिया सबसे अच्छा तरीका रहा लेकिन रहता है जोखिम

लंदन (ईएमएस)। हृदय संबंधी बीमारियों का पता लगाने में मेग्नेटिक रेसोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) क्रांति ला सकता है। यह ईकोकार्डियोग्राफी से अधिक कारगर है। एमआरआई मौत समेत रोगी को भविष्य में सामने आने वाली दिल संबंधी दिक्कतों का पूर्वानुमान जताने में भी महत्वपूर्ण माध्यम साबित हो सकता है।

एक अध्ययन में यह जानकारी सामने आयी है जो हृदय संबंधी रोगों का पता लगाने के एक वैकल्पिक तरीके पर प्रकाश डालती है। ईकोकार्डियोग्राफी में हृदय के स्वास्थ्य जांच के लिए अल्ट्रासाउंड तरंगों का उपयोग किया जाता है। अब तक हृदय रोगों का उपचार करने के लिए शल्य क्रिया सबसे अच्छा तरीका रहा है, लेकिन इसमें मरीजों के लिए जोखिम रहता है। वहीं, इसके बजाय गैर-शल्य ईकोकार्डियोग्राफी का भी सहारा लिया जाता है लेकिन यह लगभग 50 प्रतिशत तक मामलों में गलत साबित होती है।

शेफील्ड विश्वविद्यालय और ईस्ट एंगलिया विश्वविद्यालय केअध्ययनकर्ताओं द्वारा किया गया। ईस्ट एंगलिया विश्वविद्यालय से संबद्ध नॉरविक मेडिकल स्कूल से जुड़े प्रमुख शोधकर्ता डॉ पंकज गर्ग ने कहा, हृदय के भीतर बढ़ते दबाव के परिणामस्वरूप दिल काम करना बंद कर देता है। दिल संबंधी बीमारियों के उपचार के लिए शल्य क्रिया सबसे अच्छा तरीका रहा है, लेकिन जोखिम के चलते इसको तरजीह नहीं दी जाती। शोधकर्ताओं के दल ने 835 मरीजों का अध्ययन किया जिनका एक ही दिन शल्य क्रिया और दिल का एमआरआई किया गया। गर्ग ने कहा, हमने पाया कि हृदय के भीतर दबाव का पता लगाने में दिल का एमआरआई, ईकोकार्डियोग्राफी से अधिक कारगर है। ऐसे लगभग 71 प्रतिशत मरीज, जिनका हृदय के भीतर दबाव का नतीजा ईकोकार्डियोग्राफी में गलत पाया गया, वहीं, दिल के एमआरआई में उनका सही दबाव सामने आया।

फिनलैंड के नाटो में शामिल होने की घोषणा पर पुतिन ने आंखे तरेरी

- बाल्टिक में तैनात करेंगे परमाणु सेना!

मॉस्को (ईएमएस)। युद्धग्रस्त देश यूक्रेन की बर्बादी से डरे फिनलैंड और स्वीडन के उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में शामिल होने के ऐलान से अब उत्तरी यूरोप में माहौल तनावपूर्ण हो गया है। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय ने इसे खतरा बताया है और ऐलान किया है कि वह जवाबी कदम उठाएगा। इस बीच रूस में ब्रिटेन के पूर्व राजदूत का दावा है कि फिनलैंड को सबक सीखाने के लिए पुतिन बाल्टिक इलाके में अपनी परमाणु सेना को और ज्यादा मजबूत कर सकते हैं। इससे पहले गुरुवार को फिनलैंड ने ऐलान किया कि वह नाटो की सदस्यता के लिए आवेदन करेगा। ऐसी अपेक्षा है कि स्वीडन भी जल्द ही फिनलैंड के रास्ते पर चलेगा और नाटो की सदस्यता के लिए आवेदन देगा। फिनलैंड और स्वीडन के इस कदम से पश्चिमी देशों के सैन्य संगठन नाटो का विस्तार होगा और रूस की सीमा के और करीब तक पहुंच जाएगा। वह भी तब जब पुतिन ने नाटो के रूस की सीमा तक पहुंच को रोकने के लिए यूक्रेन पर हमला किया था।

यूरोप की सुरक्षा में पिछले कई दशक में यह बहुत बड़ा बदलाव होने जा रहा है। फिनलैंड और स्वीडन पूरे शीतयुद्ध के दौरान भी तटस्थ रहे थे लेकिन यूक्रेन की जंग के बाद ये दोनों देश पूरी तरह से पश्चिमी देशों के खेमे में जा रहे हैं। रूस में ब्रिटेन के पूर्व राजदूत सर टोनी ब्रेंटन ने बीबीसी से बातचीत में कहा कि रूस नाटो को अपने खतरे के रूप में और ज्यादा देखने लगेगा। उन्होंने कहा कि यूक्रेन युद्ध से यह साबित हो गया है कि रूस की परंपरागत सेना वह परिणाम नहीं दे पा रही है जिसकी पुतिन ने कल्पना की थी। ऐसे में रूस बहुत चिंतित होगा। इस बीच नाटो के महासचिव जेंस स्टोल्टेनबर्ग ने कहा है कि फिनलैंड का गर्मजोशी के साथ स्वागत होगा। उन्होंने वादा किया कि नाटो में शामिल होने की प्रक्रिया को बहुत सुगम बनाया जाएगा। उधर, अमेरिका ने फिनलैंड के नाटो में शामिल होने के ऐलान का स्वागत किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय की प्रवक्ता ने कहा है कि हम फिनलैंड या स्वीडन के नाटो में शामिल होने के आवेदन का समर्थन करेंगे। इससे पहले फिनलैंड के राष्ट्रपति सौली और पीएम सना मारिन ने एक संयुक्त बयान में ऐलान किया था कि फिनलैंड को निश्चित रूप से बिना देरी के नाटो की सदस्यता के लिए आवेदन करना चाहिए।'

इस बीच रूस ने चेतावनी दी है कि फिनलैंड के नाटो में शामिल होने के फैसले के जवाब में उसे 'सैन्य तकनीकी' कदम उठाने होंगे। रूस के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि नाटो के साथ फिनलैंड का जुड़ना 'रूस-फिनलैंड संबंधों को गंभीर नुकसान पहुंचाएगा और उत्तर यूरोप में स्थिरता एवं सुरक्षा को भी प्रभावित करेगा'। उसने कहा कि रूस उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने उभरते खतरों से निपटने के लिए सैन्य-तकनीकी और अन्य प्रकार के प्रतिशोधात्मक कदम उठाने को बाध्य होगा।

एलन मस्क का दावा, ट्विटर डील अभी होल्ड पर

वाशिंगटन (ईएमएस)। दुनिया के सबसे अमीर आदमी और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने ट्वीट कर कहा है कि ट्विटर डील अभी होल्ड पर है। मस्क ने पिछले दिनों लगभग 44 अरब डॉलर में माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट ट्विटर का अधिग्रहण करने की घोषणा की थी। मस्क ने कहा कि स्पैम और फेक अकाउंट्स पर चल रहे विवरण का हवाला देकर ट्विटर इंक के लिए उनका 44 बिलियन डॉलर का सौदा अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। मस्क ने कहा, ट्विटर डील अस्थायी रूप से पेंडिंग जानकारियों पर गणना का समर्थन करती है, कि स्पैम/फेक अकाउंट्स वास्तव में 5 प्रतिशत से कम यूजर्स का प्रतिनिधित्व करते हैं।

मस्क के एलान से पहले ट्विटर ने गुरुवार को अपने दो शीर्ष प्रबंधकों को नौकरी से निकाल दिया था। ब्रूस फाल्क और केवोन बेकपोर की ट्विटर से छुट्टी करने पर सीईओ पराग अग्रवाल ने कर्मचारियों को लिखे ई-मेल में कंपनी के मौजूदा हालात के बारे में अवगत कराया है। मेल में बताया गया है कि कंपनी में हुए बदलाव और बजट आदि की समस्या की वजह से कंपनी ने यह फैसला लिया है।

उत्तर कोरिया में रहस्यमय बुखार से छह लोगों की मौत, दो लाख लोगों को आइसोलेट किया गया

प्योंगयांग (ईएमएस)। उत्तर कोरिया में कोरोना वायरस का पहला मामला सामने आने के बीच रहस्यमय 'बुखार' से छह लोगों मौतें दर्ज की गई हैं। उत्तर कोरिया की सरकार ने कहा है कि 1,87,000 लोगों को आइसोलेट कर उनका इलाज किया जा रहा है। यह साफ नहीं है कि कौन सा बुखार फैला है जिसकी वजह से ये मौतें हुई हैं। उत्तर कोरिया में दो साल बाद कोरोना का पहला मामला सामने आया है। नए केस की पुष्टि के बाद किम जोंग उन ने देश में लॉकडाउन लगाने का ऐलान किया है। उन्होंने अपील की है कि कोरोना से बचाव के उपायों को और अधिक बढ़ाया जाए और इनका सख्ती से पालन किया जाए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार को राजधानी प्योंगयांग में कुछ लोगों के सैंपल की जांच की गई थी। इनमें कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट की पुष्टि हुई है। लोगों को घरों के भीतर रहने को कहा गया है और अधिकारियों द्वारा राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लागू कर दिया गया है।

कोरोना वायरस को दुनिया में सामने आए दो साल से अधिक समय हो चुका है, लेकिन अब से पहले तक उत्तर कोरिया ने अपने यहां कोरोना के मामलों के सामने आने की जानकारी नहीं दी थी। कोविड के रिपोर्ट किए गए नए मामले वायरस के खतरनाक ओमीक्रोन वैरिएंट से जुड़े हुए बताए जाते हैं। इसकी पुष्टि होने के बाद किम जोंग उन ने पार्टी के पोलित ब्यूरो और अन्य अधिकारियों की बैठक बुलाई और घोषणा की कि वे कोरोना से बचाव वाले नियमों को सख्ती से लागू करें और लोगों से इसका पालन कराएं। बैठक का उद्देश्य कम से कम समय में कोरोना को जड़ से खत्म करना था। उधर, विशेषज्ञों का कहना है कि नॉर्थ कोरिया की खराब स्वास्थ्य व्यवस्था को देखते हुए देश को कोरोना के गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

रूसी आक्रामकता के खिलाफ खड़े होने को लेकर भारत के संपर्क में है अमेरिकाः व्हाइट हाउस

वाशिंगटर्न व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका, रूसी आक्रामकता के खिलाफ दुनिया को एकजुट करने के प्रयासों के तहत भारत से निकट संपर्क बनाए हुए है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा ?कि हम रूसी आक्रामकता के खिलाफ खड़े होने के लिए दुनिया को एकजुट करने के अपने प्रयासों के तहत भारत से निकट संपर्क बनाए हुए हैं। इसका अर्थ है कि लागू किए गए प्रतिबंधों का पालन और क्रियान्वयन करना। उन्होंने बताया कि अमेरिका के उप सुरक्षा सलाहकार दिलीप सिंह ने इस संबंध में वार्ता के लिए हाल में भारत की यात्रा की थी। हम रूसी आक्रामकता के खिलाफ आवाज उठाने के लिए देशों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। हम पिछले 15 महीनों में कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान भारत की जरूरत के समय चिकित्सकीय आपूर्ति तथा टीके मुहैया कराने में उसके अहम साझेदार रहे हैं और हम उनके साथ इस संबंध में मिलकर काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें विश्वास है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन दो 'क्वाड' (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) देशों भारत तथा ऑस्ट्रेलिया की भविष्य में यात्रा करेंगे। बाइडन के जल्द ही जापान और दक्षिण कोरिया की यात्रा पर जाने की योजना है।

भारत के साथ करीबी संबंधों को लेकर बहुत आशान्वित हूं : विक्रमसिंघे

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंका के नए प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि वह अपने कार्यकाल के दौरान भारत के साथ करीबी संबंध बनाने को लेकर बहुत आशान्वित हैं। उन्होंने देश की आर्थिक सहायता करने के लिए भारत का आभार व्यक्त किया। श्रीलंका आजादी के बाद से सबसे खराब आर्थिक संकट से गुजर रहा है। विक्रमसिंघे (73) ने देश की कर्ज से दबी अर्थव्यवस्था को स्थिर करने और राजनीतिक उथल-पुथल को खत्म करने के उद्देश्य से गुरुवार को श्रीलंका के 26वें प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली।

विक्रमसिंघे ने उनके देश की भारत द्वारा की गई आर्थिक सहायता का जिक्र करते हुए कहा कि मैं करीबी संबंध चाहता हूं और मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। भारत ने इस साल जनवरी से लेकर अब तक श्रीलंका को तीन अरब डॉलर से अधिक का कर्ज दिया है। भारत ने गुरुवार को कहा था कि वह लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के अनुसार गठित नई श्रीलंका सरकार के साथ काम करने को लेकर आशान्वित है तथा द्वीप राष्ट्र के लोगों के प्रति नई दिल्ली की प्रतिबद्धता बरकरार रहेगी।

यूनाटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) के 73 वर्षीय नेता विक्रमसिंघे ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली है। देश में सोमवार को राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के बड़े भाई महिंदा राजपक्षे ने इस्तीफा दे दिया था। महिंदा ने अपने समर्थकों द्वारा सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों पर हमले को लेकर भड़की हिंसा के बाद इस्तीफा दिया था। इस हमले के बाद राजपक्षे के वफादारों के खिलाफ व्यापक पैमाने पर हिंसा हुई थी, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई और 200 से अधिक लोग घायल हो गए। विक्रमसिंघे ने कहा कि उनका ध्यान आर्थिक संकट से निपटने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा मैं इस समस्या को सुलझाना चाहता हूं ताकि पेट्रोल, डीजल और बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

श्रीलंका 1948 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद से सबसे बुरे आर्थिक संकट से गुजर रहा है। यह पूछने पर कि क्या 225 सदस्यीय संसद में उनका प्रधानमंत्री पद बरकरार रह सकता है, क्योंकि उनके पास केवल एक सीट है, इस पर उन्होंने कहा जब बहुमत साबित करने की बात आएगी तो मैं साबित करूंगा।

देशभर में प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक महीने से अधिक समय से राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के सचिवालय के समीप चल रहा मुख्य प्रदर्शन जारी रहने दिया जाएगा। उन्होंने कहा अगर प्रदर्शनकारी चाहेंगे तो मैं उनसे बात करूंगा। यह पूछने पर कि क्या उन्हें इस्तीफा देने की मांग को लेकर प्रदर्शन की आशंका है, इस पर विक्रमसिंघे ने कहा कि वह उनका सामना करेंगे। उन्होंने कहा अगर मैं आर्थिक संकट से निपटने का जिम्मा उठा सकता हूं तो मैं इससे भी निपट सकता हूं। सूत्रों के अनुसार सत्तारूढ़ श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी), विपक्षी समागी जन बलवेगया (एसजेबी) के एक धड़े और अन्य कई दलों के सदस्यों ने संसद में विक्रमसिंघे के बहुमत साबित करने के लिए अपना समर्थन जताया है।

जन हितैषी

सरकार की कल्याण योजनाओं के केंद्र में रहे हैं अदने, गरीब, वंचित और दुर्गम इलाके के लोग: मुख्यमंत्री

- राजकोट जिले में घुमंतू जाति के 65 परिवारों को मिला पक्का आवास

अहमदाबाद (ईएमएस)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने घुमंतू और विमुक्त जाति के लोगों सहित समाज की पायदान में खड़े आखिरी व्यक्ति और अंत्योदय परिवारों को विकास की मुख्य धारा में शामिल करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता को साकार करने में गुजरात को आगे रखने की मंशा जताई है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि ऐसी घुमंतू जातियों को पानी, बिजली और सड़क की सुविधा युक्त पक्के आवास और उनके बच्चों को शिक्षा एवं अन्य बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने में सरकार सदैव तत्पर रहेगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को राजकोट जिले के रामपरा बेटी में घुमंतू और विमुक्त जाति के 65 परिवारों को 'वगड़ामां थी व्हालपनी वसाहत' के अंतर्गत आवास आवंटित किए। उन्होंने राजकोट जिला प्रशासन की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में 19 भूखंड धारकों को सनद (मकान का स्वामित्व अधिकार) वितरित की और 300 से अधिक लाभार्थियों को आवासनिर्माण के लिए 40 वर्ग मीटर के भूखंड प्रदान किए। उल्लेखनी है कि राज्य सरकार घुमंतू और विमुक्त जातियों के आवासहीन लोगों सहित सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग को मकान निर्माण के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय आवास योजना के तहत 1.20 लाख रुपए की सहायता देती है। राज्य में घुमंतू और विमुक्त जाति के 24,352 लाभार्थियों को अब तक इस आवास सहायता के तहत कुल 110 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। राजकोट में 'वगड़ामां थी व्हालपनी वसाहत' में जिन 65 आवासों का निर्माण हुआ है, उसमें भी प्रति आवास 1.20 लाख रुपए की सहायता दी गई है। भूपेंद्र पटेल ने उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 29 गैस सिलेंडर के अलावा आटकोट में पुलिस कर्मचारियों के लिए 648.70 लाख रुपए के खर्च से नवनिर्मित आवासों तथा राजकोट ग्रामीण पुलिस के मवड़ी मुख्यालय में 1443.60 लाख रुपए के खर्च से निर्मित आवासों का ई-लोकार्पण किया। इसके साथ ही उन्होंने रामपरा बेटी में सेनेटरी पैड के वितरण के लिए वेंडिंग मशीन और शुद्ध पेयजल मुहैया कराने वाली 650 आरओ मशीन का भी लोकार्पण किया। राजकोट जिला प्रभारी एवं शिक्षा मंत्री जीतूभाई वाघाणी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री आरसी मकवाणा, सांसद मोहनभाई कुंडारिया, रामभाई मोकरिया सहित जिले के विधायक और पदाधिकारी इस अवसर पर उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में सरकार की किसी भी योजना में अदने, गरीब, वंचित, कतार में खड़े अंतिम आदमी सहित दुर्गम क्षेत्र के लोगों को आसानी से लाभ पहुंचाने का आयोजन केंद्र में होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने विशेषकर ऐसी जातियां जिनके पास अपना कोई स्थायी आवास नहीं है, उन्हें पक्का आवास उपलब्ध कराने और उनके बच्चों को ऐसी आवास बसाहटों में रहते हुए बेहतर शिक्षा मिल सके उस बात की निरंतर चिंता की है। पटेल ने कहा कि अदने आदमी को मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2005 से ऐसे आवासों की और निःशुल्क भूखंड आवंटन योजना शुरू की है। घुमंतू जाति के लोगों को किसी का मोहताज न रहना पड़े, उसके लिए आवास के साथ गरिमा भी प्रदान की है। उन्होंने आवास आवंटन और सनद वितरण के ऐसे कार्यक्रमों को अंतिम व्यक्ति की सुख-सुविधा की परवाह करने और उनके लिए कुछ कर गुजरने के आत्मसंतोष वाला कार्यक्रम करार देते हुए राजकोट जिला प्रशासन को इस कार्य के लिए बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गरीब, वंचित, शोषित और निर्धनतम वर्गों के प्रति सेवा भावना का दृष्टांत देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान किसी गरीब को भूखा न सोना पड़े उसके लिए मुफ्त अनाज और स्वास्थ्य रक्षा के लिए व्यापक टीकाकरण के लिए उन्होंने तंत्र को लगातार प्रेरित किया था। उन्होंने शिक्षा को राज्य एवं राष्ट्र के विकास की नींव करार देते हुए यह भी कहा कि स्थायी आवास की सुविधा मिलने से अब घुमंतू जाति के परिवारों के बच्चे भी स्थायी शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से ग्रोथ इंजन बने गुजरात को उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रसार से और भी तेज गति से विकास के मार्ग पर दौड़ाने की मंशा जताई। मुख्यमंत्री ने आवास लाभार्थियों को सुखमय भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए यह भी कहा कि शिक्षा के लिए स्कूल और आवास के लिए सहायता आदि सुविधाएं प्रदान करने के लिए राज्य सरकार हमेशा उनके साथ खड़ी है।

शिक्षा तथा ज़िला प्रभारी मंत्री जीतूभाई वाघाणी ने आज के कार्यक्रम को समाजोपयोगी एवं संवेदनापूर्ण बताते हुए कहा कि व्यवसाय की कुशलता रखने वाले नागरिकों को स्थायी पता एवं जीवनाश्यक सुविधाएँ देकर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल विचरणशील जाति के नागिरकों के आशीर्वाद के अधिकारी बने हैं। वाघाणी ने आशा व्यक्त की कि इस सुविधा का लाभ लेकर विचरणशील जाति के लोग मुख्य धारा में शामिल हो सकेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री ने ऐसे परिवारों के बेटे-बेटियों की शिक्षा के लिए 200 कमरों का छात्रालय बनाने के लिए भी जिला प्रशासन को आवश्यक निर्देश दे दिए हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री श्री आर. सी. मकवाणा ने विचरणशील जाति के लोगों के लिए राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई विकास योजनाओं और मुख्यमंत्री द्वारा राज्य के ग़रीबों एवं वंचितों के लिए किए गए विकास कार्यों का संक्षिप्त विवरण दिया। न्होंने विचरणशील समुदाय समर्थन मंच की गतिविधियों की सराहना की।

ज़िला कलेक्टर अरुण महेश बाबू ने स्वागत संबोधन में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग तथा राजकोट ज़िला प्रभारी मंत्री व ज़िला पंचायत अध्यक्ष द्वारा राजकोट की विभिन्न समस्याओं के निवारण के लिए आभार प्रकट किया। विभिन्न गाँवों के सरपंचों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। विचरणशील समुदाय के अग्रणी अजयभाई सोराणी ने मुख्यमंत्री कन्या शिक्षा निधि में 51,000 रुपए का चेक मुख्यमंत्री को अर्पित किया।

महंगी बिजली खरीदने के कारण गुजरात ने 5 महीने में चौथी बार बिल में किया इजाफा

अहमदाबाद (ईएमएस)। भीषण गर्मी के इस दौर में बढ़ती बिजली की आपूर्ति राज्य सरकारों के लिए बड़ी चुनौती है ऐसे में गुजरात सरकार ने प्रति यूनिट बिजली पर फ्यूल सरचार्ज में 20 पैसे की बढ़ोतरी की है। इस वृद्धि के बाद प्रति यूनिट बिजली बिल पर कुल सरचार्ज बढ़कर 2.50 रुपये हो गया है। हालांकि, कृषि क्षेत्र के उपभोक्ताओं को इस मूल्य वृद्धि से बाहर रखा गया है। एक खबर के अनुसार, गुजरात विद्युत निगम लिमिटेड ने कहा है कि नया फ्यूल सरचार्ज 1 मई 2022 से प्रभावी माना जाएगा और इसकी रिकवरी मई-जून 2022 के मध्य की जाएगी। गौरतलब है कि गुजरात इलेक्ट्रिसिटी रेग्युलेटरी कमीशन की अनुमति के बाद सरचार्ज बढ़ाया गया है।

नए फ्यूल सरचार्ज के कारण जो उपभोक्ता मई-जून 2021 में 1.8 रुपये के फ्यूल सरचार्ज दे रहे थे उन्हें अब इसके 2.5 रुपये देने होंगे जो उनके बिजली बिल में प्रति यूनिट 70 पैसे की वृद्धि है। सरकार पिछले 5 महीने में 4 बार फ्यूल सरचार्ज में वृद्धि कर चुकी है। वहीं, पिछले 2 महीने में यह 30 पैसे बढ़ा है। इन मामलों के एक जानकार केके बजाज ने कहा है कि इससे बिजली उपभोक्ताओं पर 270 करोड़ प्रति माह और 3,240 करोड़ रुपये प्रति वर्ष का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। बजाज का कहना है कि सरकार दावा करती है कि उसने पिछले 6 साल में बिजली बिल में वृद्धि नहीं है कि लेकिन वह फ्यूल सरचार्ज के जरिए ऐसा कर रहा है।

यह आदेश पूरे गुजरात पर लागू होगा लेकिन अहमदाबाद, गांधीनगर, सूरत और धौलेरा एसआईआर में सरचार्ज नहीं बढ़ेंगे। दरअसल, यहां टौरेंट पावर बिजली आपूर्ति करती है और इन जगहों पर पिछले साल से सरचार्ज 2.07 रुपये प्रति यूनिट से लेकर 2.31 रुपये प्रति यूनिट तक हैं। खबर के अनुसार, गुजरात के पास 37,000 मेगावॉट की बिजली उत्पादन क्षमता है लेकिन करीब 20000 मेगावॉट की पीक डिमांड का सामना करने के बाद सरकार ने महंगे दाम पर बिजली खरीदना शुरू कर दिया है। गुजरात विद्युत निगम लिमिटेड के अधिकारियों का कहना है कि सरकार पावर कट नहीं लगाना चाहती है इसलिए उसे बाहर से बिजली खरीदनी पड़ रही है। सरकार यह बिजली करीब 20 रुपये प्रति यूनिट के मूल्य पर खरीद रही है। वहीं, महंगे कोयले और प्राकृतिक गैस ने भी इस मूल्य वृद्धि की आग में तेल डालने का काम किया है।

सूरत में 701 किलो गांजा पकड़ाया, कच्छ में चरस के दो लावारीस पैकेट बरामद

अहमदाबाद (ईएमएस)। मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस की लगातार कार्यवाही के बावजूद इसके पकड़े जाने का सिलसिला थम नहीं रहा। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता के बावजूद सीमा पार से ड्रग्स इत्यादि कैसे गुजरात में कैसे पहुंच जाते हैं, यह बड़ा सवाल है। आज सूरत के कामरेज में पुलिस रेड कर 701 किलो गांजा जब्त किया है। जबकि कच्छ में चरस के दो लावारीस पैकेज बरामद किए गए हैं। सूरत एसओजी को सूचना मिली थी कि मुंबई की ओर जानेवाला एक ट्रक होटल महादेव के पार्किंग में खड़ा है और इसमें गांजा लदा हुआ है। सूचना के आधार पर सूरत एसओजी ने सूरत जिले के कामरेज के उभेर गांव के निकट होटल महादेव के पार्किंग में खड़े ट्रक की तलाशी ली। जिसमें से 701 किलो गांजा बरामद हुआ। गांजे की कीमत रु. 70 लाख बताई जाती है। हांलाकि मौका पाते ही ट्रक का चालक वहां से भाग निकला। दूसरी ओर नेवी इंटेलिजंस और पश्चिम कच्छ पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में समुद्र किनारे से चरस के दो लावारीस पैकेट बरामद हुए हैं। फिर एक बार चरस पकड़े जाने से सुरक्षा एजंसियां सतर्क हो गई हैं। पुलिस ने रु. 35 लाख कीमत की चरस जब्त कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। बता दें कि कच्छ के तटीय इलाके से अब तक 4500 से ज्यादा चरस के पैकेट पकड़े जा चुके हैं।

कलक्टरों और जिला विकास अधिकारियों की समीक्षा बैठक हुई

मुख्य सचिव श्री पंकज कुमार ने सरकार की योजनाओं और राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का किया आह्वान

अहमदाबाद (ईएमएस)। राज्य सरकार ने शुक्रवार को गांधीनगर में राज्य के जिला कलक्टरों और जिला विकास अधिकारियों की समीक्षा बैठक बुलाई। बैठक में विभिन्न जिलों में राजस्व तथा पंचायत विभाग के कामकाज की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक का आयोजन राज्य के प्रशासनिक ढांचे को नई ऊर्जा और नए संकल्प प्रदान करने के मकसद से किया गया था। बैठक में उपस्थित मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन ने कलक्टरों और जिला विकास अधिकारियों को राज्य के विकास के लिए तथा जनता से संबंधित कामकाज में सुचारू दृष्टिकोण अपनाकर काम करने का मार्गदर्शन दिया। राज्य के मुख्य सचिव पंकज कुमार ने सरकार की विभिन्न जनहितैषी योजनाओं, सहायता योजनाओं, विकास योजना और राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं आदि के संबंध में कलक्टरों और जिला विकास अधिकारियों से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। राज्य के विकास के लिए जिला प्रशासन तंत्र की अहम भूमिका को रेखांकित करते हुए मुख्य सचिव ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया कि जनता के कार्य सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ पूरे किए जाएं। समीक्षा बैठक में जनता की अर्जियों के निस्तारण के लिए उपयोगी इंटीग्रेटेड रेवेन्यू केस मैनेजमेंट सिस्टम (आईआरसीएमएस) एप्लीकेशन, रेवेन्यू फाइल मॉनिटरिंग सिस्टम, इंटीग्रेटेड ऑनलाइन रेवेन्यू एप्लीकेशन (आईओआरए) सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन के माध्यम से होने वाले कामकाज की विस्तृत चर्चा की गई। राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री कमल दयाणी ने इस संबंध में विस्तार से मार्गदर्शन दिया। बैठक में प्रशासनिक आदेश-3, भूमि अधिग्रहण, सर्वे सेटलमेंट, पैमाइश, स्टाम्प ड्यूटी तथा पंजीकरण से संबंधित मामलों सहित राजस्व कार्यक्षेत्र से जुड़े सभी मुद्दों की समीक्षा भी की गई। सरकार के प्रशासनिक विभाग के आयोजन प्रभाग की ओर से प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। बैठक के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कोविड-19 महामारी की मौजूदा स्थिति और टीकाकरण सहित स्वास्थ्य संबंधित मामलों की तथा गुजरात इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बोर्ड (जीआईडीबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने जीआईडीबी के अंतर्गत राज्य की महत्वपूर्ण परियोजनाओं एवं पीएम गति शक्ति प्रोजेक्ट के तहत कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। पंचायत विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने भी अधिकारियों को विभिन्न मुद्दों पर उपयोगी मार्गदर्शन दिया।

डॉक्टरों के बाद 250 से ज्यादा अध्यापक हुए भाजपा में शामिल

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश भाजपा में भर्ती कार्यक्रम लगातार जारी है। कांग्रेस समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता भाजपा जॉइन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब गुजरात दौरे पर आए थे, तब प्रबुद्ध नागरिकों को भाजपा से जोड़ने का आह्वान किया था। पीएम मोदी के आह्वान के बाद गुजरात भाजपा के विभिन्न प्रकोष्ठ सक्रिय हो गए। कुछ दिन पहले ही एक हजार से अधिक डॉक्टर भाजपा में शामिल हुए थे। अब 250 से ज्यादा डॉक्टरों ने भाजपा जॉइन की है। पार्टी के प्रदेश प्रमुख सीआर पाटील की मौजूदगी में अध्यापकों ने भाजपा का भगवा धारण किया। बता दें कि गत 9 मई को मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की मौजूदगी में गुजरात प्रदेश भाजपा मुख्यालय में 200 से ज्यादा विख्यात चिकित्सकों ने भाजपा जॉइन की थी। जिसमें सिविल अस्पताल से इस्तीफा देनेवाले समेत अन्य डॉक्टर शामिल हैं। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने सभी चिकित्सकों का भगवा पटका पहनाकर भाजपा में स्वागत किया था। सिविल अस्पताल से इस्तीफा देने वाले पूर्व अधीक्षक डॉ. वीजे मोदी, पूर्व अधीक्षक और ओएसडी डॉ. प्रभाकर समेत बीजे मेडिकल कॉलेज के पूर्व डीन प्रणय शाह ने भी भाजपा में शामिल हुए हैं। डॉक्टरों के बाद अब 250 से अधिक अध्यापकों ने भाजपा का दामन थाम लिया है।

मुख्यमंत्री की आप नेताओं के साथ मुलाकात न करने पर राजनीति गरमाई

अहमदाबाद (ईएमएस)। राजकोट दौरे पर आए मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के आप नेताओं से मुलाकात नहीं करने को लेकर राजनीति गरमा गई है। जबकि उन्हें समय दिया गया था, लेकिन उनके साथ मुलाकात नहीं की। कांग्रेस नेताओं के साथ मुख्यमंत्री ने मुलाकात की और उनकी मांगों को भी बड़े गौर से सुनी। राजकोट पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने महानगर पालिका में नगर पार्षदों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान भूपेन्द्र पटेल ने नगर पार्षदों को जनता के बीच रहने और उनकी समस्याओं का समाधान करने की हिदायत दी। साथ ही सभी विकास कार्य तय समय सीमा में पूर्ण करने का अधिकारियों को आदेश दिया। महानगर पालिका के इतिहास में पहली बार किसी मुख्यमंत्री बैठक की है और उसमें सभी नगर पार्षद मौजूद रहे। बाद में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने जिला कलेक्टर कचहरी में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की। कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल में हेमांग वसावडा, गायत्रीबा वाघेला, शहर प्रमुख प्रदीप त्रिवेदी, महेश राजपूत और विपक्ष की नेता भानुबेन सोराणी शामिल थीं। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से स्थायी पुलिस आयुक्त की नियुक्ति के अलावा ई मेमो, महानगर पालिका शामिल नए क्षेत्रों में प्राथमिक सुविधा उपलब्ध कराने, पानी की समस्या का निपटारा, शिक्षा फीस और महंगाई को लेकर पेशकश की। मुख्यमंत्री कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की परंतु आम आदमी पार्टी के नेताओं से मुलाकात नहीं की। हांलाकि पहले पता चला था कि मुख्यमंत्री आप नेताओं के साथ भी बैठक की हैं लेकिन बाद में खुलासा हुआ कि मुख्यमंत्री ने आप नेताओं के साथ कोई बैठक नहीं की। बताया जाता है कि आप नेताओं का समय भी दिया गया था और वह कलेक्टर कचहरी पहुंचकर मुख्यमंत्री से मिलने की प्रतीक्षा भी कर रहे थे। परंतु मुख्यमंत्री ने आप नेताओं के साथ मुलाकात नहीं की। मुख्यमंत्री की आप नेताओं के साथ बैठक क्यों नहीं हुई? इस बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इस घटना को लेकर राजनीति जरूर गरमा गई है।

गर्मी का तापमान ४७ डिग्री के करीब स्थिर है

अभी १ से ४ कितने ट्रैफिक सिग्नल खुले रहते है

अहमदाबाद, १३ मई।

शहर में पिछले एक सप्ताह से भीषण गर्मी पड़ रही है। ऐसी स्थिति में दोपहर के दौरान काम के लिए घर से बाहर निकलते लोगों के लिए खराब स्थिति पैदा होती है। एक तरफ गर्मी, दूसरी तरफ ट्रैफिक इसके अलावा हेलमेट का भी नियम होने से लोग बराबर परेशान हो जाते है। इतना पूरा नहीं हो यदि १-२ के लिए ट्रैफिक सिग्नल पर खड़ा रहना पड़े तो शहरीजनों को सेंकना नहीं पड़े इसके लिए कुछ दिन पहले ही अहमदाबाद ट्रैफिक पुलिस ने दोपहर को १ से ४ के दौरान सभी ट्रैफिक सिग्नल बंद रहेंगे ऐसी घोषणा की थी। हालांकि, ट्रैफिक पुलिस की यह घोषणा कुछ सिग्नल के लिए घोषणा ही साबित हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, शहर के चार रास्ते पर सबसे ज्यादा ट्रैफिक रहता है और ज्यादा समय के लिए सिग्नल पर रुकना पड़ता है, यह अभी बंद नहीं किया गया है।

वहां सिर्फ सवा दो का समय घटाकर एक मिनट किया गया है। जो सिग्नल बंद रखा गया है वह चार रास्ते पर पहले से ही ट्रैफिक नहीं होता था और ऊपर से वहां सीसीटीवी कैमरा भी नहीं है। अहमदाबाद में गर्मी का तापमान ४७ डिग्री के करीब स्थिर है। ऐसे में दोपहर में यदि टू-व्हीलर लेकर निकलने का हो तो भगवान याद आ जाए ऐसी स्थिति होती है। सीधा धूप शरीर पर पड़ने पर स्किन भी झुलस जाती है। कई को एलर्जी हो तो हाथ और पैर पर छाले पड़ जाते है। हेलमेट पहना हो तो सिर पर से पसीना निकलने लगता है, जिसकी वजह से पहले से ही परेशान व्यक्ति और परेशान हो जाते है। ब्लडप्रेशर, मधुमेह, डिहाइड्रेशन जैसी तकलीफ वाले लोगों को गर्मी के दौरान ज्यादा चक्कर आते है। शरीर को झुलसाती गर्मी में लंबी दूरी पार करके घर पर जाने के बाद शरीर गर्म हो जाता है और अचानक कमजोरी आ जाती है। लोग कितनी मुश्किल को बर्दाश्त करते है इसका एहसास कराने के लिए सिग्नल चालू रखने वाले को दोपहर में वहां खड़ा रखना चाहिए।

२७ वर्ष पहले के केस में सीबीआई कोर्ट का फैसला

कस्टोडियल डेथ के लिए आईएएफ के ३ अधिकारी को आजीवन कारावास

अहमदाबाद, १३ मई।

स्पेशियल सीबीआई कोर्ट ने गुरुवार को भारतीय वायुसेना के तीन अधिकारियों को २७ वर्ष पहले रसोइया के कस्टोडियल डेथ के लिए दोषी ठहराया गया है। कोर्ट ने रिटायर्ड ग्रुप कैप्टन अनूप सूद, रिटायर्ड सार्जन्ट अनिल के.एन. और सेवा देते सार्जन्ट महेन्द्र सिंह शेरावत को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

यह घटना नवंबर १९९५ की है जबकि रसोईया गिरजा रावत पर एयरफोर्स के सीएसडीमेस में से ९४ शराब की बोतल चुराने का आरोप था। आईएएफ पदाधिकारियों ने यह चोरी मामले में जामनगर शहर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके साथ ही जामनगर एयरफोर्स स्टेशन के एयर कोमोडोर ने यह मामले में आंतरिक जांच का आदेश दिया था। इस संबंध में १२ आईएएफ अधिकारियों ने जामनगर में एयरफोर्स-१ के सिविलियन क्वार्टर में रावत के घर की जांच की थी और इसे हिरासत में लिया। इसने पूछताछ के लिए मुख्य गार्ड रुम में लाया गया था। दूसरे दिन सुबह में रावत को अस्पताल में ले गये थे जहां उनको मृतक घोषित किया गया था। इसके पोस्टमार्टम में मृत्यु आंतरिक और बाह्य चोट की वजह से हुई होने का सामने आया था। जिसके बाद रावत की विधवा शकुंतला देवी ने आईएएफ अधिकारियों के खिलाफ स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई उनके पति की हत्या का आरोप लगाया। यह मामले में जांच शुरू हुई और सात अधिकारियो के खिलाफ हत्या और अपराधी साजिश सहित अन्य आरोप के लिए चार्जशीट दाखिल किया गया। विधवा ने जांच केंद्रीय एजेंसी को ट्रांसफर करने के लिए गुजरात हाईकोर्ट में अपील की थी। हाईकोर्ट द्वारा केस की सुनवाई करके यह जांच सीबीआी को सौंपी गई थी। केंद्रीय एजेंसी ने दोषी ठहराये गये तीन अधिकारी सहित ८ आरोपियों के खिलाफ पूरक चार्जशीट दाखिल की थी। जबकि एक आरोपी जेएस सिद्धू फरार है। बाकी के चार अधिकारियों को निर्दोष जारी किया गया है। सुद, अनिल और शेरावत को सजा देते समय कोर्ट ने कहा कि कई गायब हुई शराब की बोतलों की जांच की आड़ में पूछताछ के लिए ले गये बाद में एक नागरिक की हत्या करने पर सेना के अधिकारियों को दोषी ठहराया गया है।

इंजीनियरिंग की नौकरी छोड़कर ट्रेकिंग किया

जतीन माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाला पहला कच्छी बन गया

कच्छ, १३ मई।

साहसी व्यक्ति जान की चिंता किए बिना प्रतिकुल परिस्थिति का सामना करके चुनौतियों का सामना करते है। ऐसा ही एक मूल उत्तरप्रदेश के और कच्छ को कर्मभूमि बनाने वाले भुज के युवक जतीन रामसिंह चौधरी ने १२ मई को ८८४८ मीटर की ऊंचाई कठिन चढ़ाई पूरा करके माउंट एवरेस्ट चढ़ाई पूरी करके परिवार के साथ कच्छ का नाम रोशन किया है। मूल यूपी के और कच्छ को भूमि बनाने वाले रिटायर्ड पीसएसआई रामसिंह चौधरी के ४२ वर्षीय बेटा जतीन ने गत १४ अप्रैल से माउंट एवरेस्ट के पर्वतारोहण की शुरूआत की थी। इसे लुक्ला से बेज कैंप तक पहुंचने में १० से १५ दिन का समय लगा था। इसके बाद ९ तारीख को फाइनल चढान शुरू की। गुरुवार को सुबह में एवरेस्ट की टोप पर बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर का ध्वज लहराया गया। यह पर्वतारोहण के दौरान एसपीओ टू यानी कि इसका ऑक्सीजनल लेवल ५३ जितना हो गया। सामान्य रूप से इतने लेवल में कोई भी व्यक्ति को अस्पताल में वेंटिलेटर पर रखने की जररूत होती है। एमजोन कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर नौकरी करते जतीन चौधरी को फिलहाल कंपनी की तरफ से वर्क-फ्रोम-होम दिया गया है। इस दौरान उसने अपने दोस्तों के साथ हबाय के पहाड़ पर ट्रेकिंग की शुरूआत की थी, इसके बाद इसने पर्वतारोहण करने की लगने पर इसने इंजीनियर के तौर पर नौकरी छोड़ दी विभिन्न स्थल पर ट्रेकिंग की प्रैक्टिस शुरू की थी। जतीन ने छह महीने पहले नेपाल के ६८०० मीटर ऊंचाई अमाडबलम पर्वत पर चढ़ाई की है, जहां कुछ लोग ही जा सकते है। इस चढ़ाई के दौरान रास्ते में तीन पर्वतारोहम को मुश्किल होने पर हेलिकॉप्टर के द्वारा रेस्क्यू करना पड़ा था फिर भी किसी भी प्रकार की हिम्मत हारे बिना जतीन ने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ गये। एवरेस्ट चढ़ाई करने के लिए पर्वतारोहकों के साथ नेपाल से विशेष शेरपा के साथ होते है, यह शेरपाओं को विशेष तालीम दी जाती है।

नलिन उपाध्याय गुजरात लोक सेवा आयोग के नए अध्यक्ष नियुक्त

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात लोक सेवा आयोग (जीपीएससी) के नए अध्यक्ष नियुक्त कर दी गई है। जीपीएससी के अध्यक्ष दिनेश दासा का कार्यकाल खत्म होने पर उनके स्थान पर नलिन उपाध्याय को नियुक्त किया गया है। नलिन उपाध्याय को आज ही जीपीएससी के अध्यक्ष का चार्ज सौंप दिया गया है। अब तक नलिन उपाध्याय जीपीएससी के सदस्य थे और इसी साल अप्रैल महीने में उनकी नियुक्ति की गई थी। नलिन उपाध्याय के अलावा आशा शाह, अशोक भावसार और सुरेन्द्रचंद्र पटेल को भी जीपीएससी का बतौर सदस्य नियुक्त किया गया था। काफी समय से जीपीएससी में यह जगह रिक्त पड़ी थी। गौरतलब है इसी वर्ष के अंत में गुजरात विधानसभा के चुनाव होने हैं और चुनावी साल में 17 आईएएस अधिकारी निवृत्त हो रहे हैं। जिसमें नलिन उपाध्याय का नाम भी शामिल है। गुजरात में प्रशासनिक सेवा से आईएएस के तौर पर नोमिनेट हुए अधिकारियों की संख्या बढ़ती जा रही है।

हार्दिक पटेल की नाराजगी बरकरार, आमंत्रण के बावजूद नहीं गए कांग्रेस चिंतन शिबिर में

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल की पार्टी नेतृत्व से नाराजगी बरकरार है। शायद इसी वजह से हार्दिक पटेल कांग्रेस की चिंतन शिबिर में शामिल होने उदयपुर नहीं गए। बता दें कि राजस्थान के उदयपुर में कांग्रेस की तीन दिवसीय चिंतन शिबिर का आयोजन किया गया है। जिसके लिए हार्दिक पटेल समेत गुजरात कांग्रेस के 18 जितने नेताओं को आमंत्रित किया गया है। लेकिन आमंत्रण के बावजूद हार्दिक पटेल चिंतन शिबिर में शामिल होने उदयपुर नहीं गए। जबकि गुजरात के कांग्रेस के अन्य नेता चिंतन शिबिर में भाग लेने उदयपुर पहुंच गए हैं। आज से 15 मई तक चलने वाली चिंतन शिबिर में शामिल होने कांग्रेस नेता राहुल गांधी ट्रेन में सफर कर उदयपुर पहुंचे हैं। तीन दिवसीय चिंतन शिबिर में चुनावों में लगातार हार का सामना कर रही कांग्रेस का पुनर्गठन और ध्रुवीकरण की राजनीति से निपटने की रणनीति बनाई जाएगी। कांग्रेस की चिंतन शिबिर में पार्टी के 400 से ज्यादा दिग्गज नेता शामिल होंगे। लेकिन हार्दिक पटेल के इस चिंतन शिबिर में शामिल नहीं होने से साफ हो गया है कि पार्टी से उनकी नाराजगी अब भी बरकरार है। जबकि गत 10 मई को राहुल गांधी जब दाहोद आए थे, तब हार्दिक पटेल ने अपनी नाराजगी समेत अन्य मुद्दों को लेकर चल रही अटकलों पर पूर्ण विराम लगा दिया था और कहा था कि वह कांग्रेस में ही हैं। हार्दिक पटेल ने यह बयान देकर अटकलों पर भले ही पूर्ण विराम लगा दिया हो, लेकिन वह अपने ट्वीटर, वॉट्सएप इत्यादि से कांग्रेस का चुनाव चिह्न हटा चुके हैं। देखना होगा कि आनेवाले समय में हार्दिक पटेल क्या कदम उठाते हैं?

शादी के गरबा गाते हाथ सट गया तो गला दबाकर युवक की हत्या कर दी

दो दिन पहले भी माधुपूरा में बुधवार को रात के समय जन्मदिन के समय स्कूटर का होर्न बजाने के मामले में तकरार हुई थी

अहमदाबाद, १३ मई।

शहर में प्रतिदिन क्राइम की घटना बढ़ रही है। तब शहर के वटवा क्षेत्र में शादी प्रसंग में मामूली बात पर तकरार होने के बाद हत्या की घटना सामने आई है। इस मामले में वटवा पुलिस ने अपराध दर्ज करके आरोपी की गिरफ्तारी करके आगे की कार्रवाई शुरू की है।

उल्लेखनीय है कि, जिसकी हत्या हुई है यह २० दिन की बेटी का पिता था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस ने गिरफ्तार किए आरोपी का नाम महे बेचरजी ठाकोर है। वटवा क्षेत्र में स्थित मोटा ठाकोर वास में रहते अजय ठाकोर इसके भाई और रिश्तेदारों के साथ पड़ोस में रहता भरत ठाकोर की बेटी की शादी प्रसंग पहले रखे गरबा के कार्यक्रम में गये थे। जहां ठाकोर वास में रहते महेश ठाकोर भी गरबा गाने आया था। गरबा के दौरान अजय का हाथ महेश को लगा था। जिसे लेकर महेश ने अजय को गाली देकर गरबा पूरी होने के बाद जान से मार देने की धमकी दी थी। गरबा का कार्यक्रम होने के बाद अजय घर पर जा रहा था। तब रात के १.३० बजे के करीब जोगणी माता के मंदिर के पास गरबा की बात को लेकर महेश ने अजय के साथ झगड़ा किया था। उन्होंने एक-दूसरे के साथ मारपीट की थी। तब महेश ने कुछ देर अजय का गला दबाकर रखा था। इसके भाई ने जिग्नेश और दीपेश के बीच आकर बचाकर इसे एलजी अस्पताल में ले गये थे। हालांकि, डॉक्टर ने जांच करने पर अजय को मृतक घोषित किया गया। अजय की मौत होने पर इसके भाई जिग्नेश ने वटवा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके बाद वटवा पुलिस ने जांच शुरू करने पर आरोपी को गिरफ्तार करके आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। दो दिन पहले भी माधुपूरा क्षेत्र में बुधवार को रात के समय जन्म दिन के उत्सव के समय स्कूटर का होर्न बजाने के मामले में तकरार हुई थी। जिसमें वाडी गांव में रहते चार युवकों ने एक युवक पर तलवार के द्वारा हमला करने की घटना हुई थी। इस मामले में माधवपुरा पुलिस ने हत्या की कोशिश का अपराध दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

प्रिन्सिपल द्वारा विद्यार्थी के पैर छूने के मामले में एबीवीपी ने विद्यार्थी नेता को किया सस्पैंड

अहमदाबाद (ईएमएस)। शहर की साल कॉलेज में प्रिन्सिपल द्वारा विद्यार्थी के पैर छूने की घटना को लेकर विवाद बढ़ता देख अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने विद्यार्थी नेता अक्षत जयस्वाल को सस्पैंड कर दिया है। दरअसल अहमदाबाद की साल कॉलेज में विद्यार्थियों की उपस्थिति के मुद्दे पर कार्यवाही की गई थी, जिसे लेकर गुरुवार को एबीवीपी नेता समेत विद्यार्थी कॉलेज की महिला प्रभारी आचार्य के समक्ष पेशकश करने गए थे। विद्यार्थियों की उग्र पेशकश और दादागिरी पूर्ण व्यवहार को देखते हुए महिला आचार्य ने दो हाथ जोड़े और एक विद्यार्थी के पैर छुए थे। गुरु-शिष्य के पवित्र रिश्तों को लांछन लगानेवाली इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद शिक्षा क्षेत्र में आक्रोश भड़क उठा। एबीवीपी के विद्यार्थी नेता की इस करतूत की लोगों ने कड़ी निंदा की। वीडियो वायरल होने के बाद एबीपीवी भी हरकत में आई और विद्यार्थी नेता अक्षत जयस्वाल को सस्पैंड कर दिया। साथ ही कहा कि साल कॉलेज में हुई घटना बेहद निंदनीय है और एबीवीपी के कार्यकर्ता से गलती हुई है। ऐसी घटना का एबीवीपी समर्थन नहीं करती और इस संदर्भ में एबीवीपी का प्रतिनिधिमंडल महिला आचार्य से मुलाकात कर उनसे क्षमा याचना करेगा। इस पूरी घटना में संलिप्त अक्षत जयस्वाल को एबीवीपी की सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया है।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95